Amaan
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 515
सौडांगी
नागराज व ध्रुव का मल्टीस्टार विशेषांक
नागराज के टी.वी. सीरीयल रक्षक नागराज भाग -3 की 100/- मूल्य की VCD मुफ्त
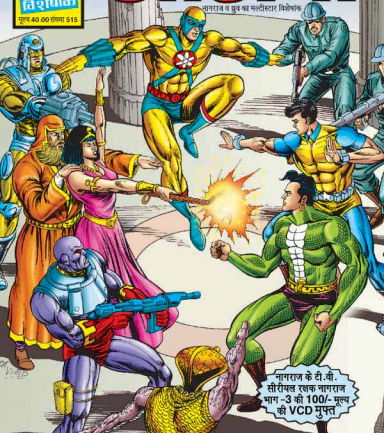
नागराज के पुराने दुश्मन करणवशी ने, रहस्यमयी शक्तियों से युक्त क्लियोपेट्रा के महल की तस्वीरों को ढूंढने के लिए षड्यंत्र रचा और नागों के भूखे सर्पखोर के साथ मिस्र स्थित पिरामिडों के रक्षक नागों के उस कबीले तक जा पहुंचा जिसकी एक सदस्य सौडांगी भी थी। सर्पखोर ने इच्छाधारी सर्पों के उस कबीले पर कहर ढा दिया। इसी दौरान नागराज का दूसरा दुश्मन, ममियों का राजा तूतेन खामेन महानगर में हो रही मिस्री कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी में अपनी ममी सेना के साथ उसी महल की तस्वीर की खोज में आ धमका। लेकिन वहां पर मौजूद नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव ने उसको वापस-भागने पर मजबूर कर दिया। पर भागते भागते तूतेन खामेन अपने मास्क के द्वारा नागराज की शक्तियों की नकल बनाकर अपने साथ लेता गया। इसी लडाई के दौरान सौड़ांगी को अपने कबीले के ऊपर आई मुसीबत की सूचना मिली और सौडांगी को एक अजीब निर्णय लेना पड़ा। किल्योपेट्रा के महल की असली तस्वीरें उसी के पास थीं। जिसको क्लियोपेट्रा ने अपनी खास वफादार सहेली सौडांगी की मां के हवाले कर दिया था। सौडांगी ने तस्वीरों पर आया खतरा भांपकर तस्वीरों को नागराज और ध्रुव के हवाले कर दिया। और स्वयं तंत्र शक्ति से मिस्र की तरफ रवाना हो गई। मिस्र पहुंचते ही करणवशी ने सौडांगी को अपने वशीकरण का गुलाम बना लिया और सौडांगी ने तस्वीरों को नागराज और ध्रुव के पास होने की बात उगल दी। करणवशी ने अधूरी बात सुनी और तस्वीर नागराज के पास होना जानकर नागराज के पास उस ममी नागराज को भेज दिया, जो तूतेन खामेन ने नागराज की उन शक्तियों को चुराकर बनाया था। नागराज ने ममी नागराज को हरा दिया। और खुद ममी नागराज बनकर मिस्र में करणवशी और तूतेन खामेन के पास जा पहुंचा। करणवशी और तूतेन खामेन ने नागराज के सामने घुटने टेक दिए। पर उसी वक्त करणवशी के सम्मोहन में बंधी सौडांगी ने नागराज पर तेज वार किया और नागराज उसी दर्पण को तोड़ता हुआ महानगर में वेदाचार्य के पास आ गिरा, जिसके जरिए वह मिस्र पहुंचा था। करणवशी ने तस्वीर में बदले महल को फिर से खड़ा कर दिया पर महल का पिछला हिस्सा गायब देखकर चौंक गया। तब सौडांगी ने उसको तस्वीर का दूसरा हिस्सा ध्रुव के पास होने वाली बात बताई और तूतेन खामेन ने अपनी एक दूसरी खतरनाक शक्ति के साथ सर्पखोर को राजनगर रवाना कर दिया। यहां तक का वृतांत आपने सम्राट में पढ़ा। अब पेश है इस रोमांचक गाथा का दूसरा और अंतिम भाग:

सौडांगी

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता
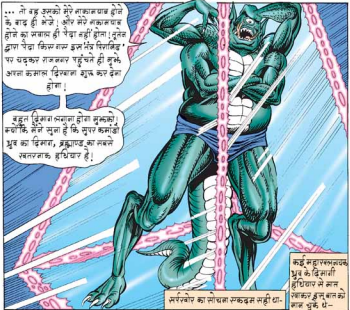
... तो वह उसको मेरे नाकामयाब होने के बाद ही भेजे! और मेरे नाकामयाब होने का सवाल ही पैदा नहीं होता! नूतेन द्वारा पैदा किए गए इस 'तंत्र पिरामिड' पर चढ़कर राजनगर पहुंचते ही मुझे अपना कमाल दिखाना शुरू कर देना होगा!
बहुत दिमाग लगाना होगा मुझको! क्योंकि मैंने सुना है कि सुपर कमांडो ध्रुव का दिमाग, ब्रह्माण्ड का सबसे खतरनाक हथियार है!
सर्पखोर का सोचना एकदम सही था-
कई महाखलनायक ध्रुव के दिमागी हथियार से मात खाकर इस बात को मान चुके थे-
लेकिन फिलहाल इस हथियार को किसी की जुबान चाट जाने वाली थी-
अरे! अभी-अभी तुम महानगर से आ रहे हो और 'मां-बदौलत' के दरबार में बगैर पेशी दिए चुपचाप निकले जा रहे हो!
जानते नहीं कि एयरपोर्ट पर कस्टम वालों से एक बार तुम बच सकते हो, लेकिन यहां पर तो तलाशी देनी ही पड़ेगी!
बताओ, क्या लाए हो हमारे लिए?
ठक

ओफ़्फ़ो! सत्यानाश! इसीलिए चुपचाप अपने कमरे में जा रहा था कि बड़ी मुश्किल से ये जो थोड़ा सा आराम का वक्त मिला है वह कहीं हाथ से फिसल न जाए! मुझे अपने टेंपर को काबू में रखना होगा! प्यार से निपटना होगा इससे!
हे हे हे! श्वेताऽऽऽ प्यारी बहना! अ... इस बार की ट्रिप में कुछ गड़बड़ हो गई।
मैं तेरे लिए कुछ भी नहीं ला पाया!
तुम मजाक कर रहे हो न? मजाक कर रहे हो न? बताओ न! क्या लाए हो? कोई सरप्राइज है क्या?
कोई सरप्राइज नहीं है! अब मुझे नींद आ रही है! एक घंटे बाद मुझको 'नाइट पेट्रोलिंग' पर भी निकलना है! गुडनाइट!
भइया बड़ा स्मार्ट बनता है! अरे, मैंने तो अपने इस 'मिनी एक्सरे स्कैनर' से इसके बैग को तभी चेक कर लिया था, जब भइया अंधेरे में चुपके-चुपके घुस रहा था!
इसके बैग में एक 'गिफ्ट पैक' रखा हुआ है! अरे, ऐसा हो ही नहीं सकता कि भइया कहीं जाए और मेरे लिए कुछ लेकर न आए! पर इसको जरा सा तपाना तो पड़ेगा ही! यही इसकी गिफ्ट छुपाने की सजा है!
मैं इसके लिए महानगर से एक कंप्यूटराइज्ड कैमिकल टेस्टर लाया हूं! पर वह बैग में सबसे नीचे रखा हुआ है! उसे निकालने में ही आधा घंटा लग जाएगा!
वैसे भी, वह मैं श्वेता को इसके बर्थडे पर देने वाला हूं! आज नहीं!
अरे! तुमने कपड़े में क्या छुपा रखा है?
कोई पेंटिंग लगती है!

दिखाओ न भईया! ये जरूर एम. एफ. हुसैन की पेंटिंग होगी जो तुम मेरे लिए लेकर आए हो! मैं जानती हूं कि तुम मेरे लिए कोई सस्ती-सड़ी गिफ्ट तो ला ही नहीं सकते!
ऐ ऐ छुना मत! ये...ये सौडांगी की पेंटिंग है! उसने मुझको संभालकर रखने के लिए दी है!
सौडांगी! वही नागराज की दोस्त सौडांगी! उसकी पेंटिंग है ये! हा हा हा!
तभी कपड़े में लपेटकर रखी है! ताकि कहीं कोई देख न ले!
अरे, झूठ तो कम से कम ठीक से बोला करो! सौडांगी पेंटर कब से बन गई?
मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं! ये सौडांगी की पेंटिंग नहीं है! पर उसी ने मुझको दी है!
ओऽऽऽ! झूठ पर झूठ! अब तो मैं ये पेंटिंग देखकर रहूंगी! लाओ! दिखाओ मुझे! दिखाओ न!
ऐ श्वेता! छीना झपटी मत कर! देख, मैं कह रहा हूं न! ये पेंटिंग गिर जाएगी!
कड़ाऽऽक
गिर जाएगी!
गिर गई! ओ माई गॉड!
ये तो टूट गई!
आ...आई एम सॉरी भइया!

ओ गॉड! तस्वीर तो टूट गई! अब क्या होगा?
सौडांगी को क्या मुंह दिखाऊंगा मैं?
आ... आई एम वेरी सॉरी, भइया! मुझको पता नहीं था कि मेरा बचपना इतनी बड़ी मुसीबत खड़ी कर देगा!
कोई बात नहीं, श्वेता! गलती मेरी भी है! मैं तेरे लिए एक कंप्यूटराइज्ड केमिकल एनालाइजर लाया था! यह मुझे तुझको पहले ही बता देना चाहिए था!
नहीं, भइया! गलती सरासर मेरी है! मुझको तस्वीर देखने की जिद करनी ही नहीं चाहिए थी!
पिंग पिंग
नहीं, श्वेता! तू मेरी छोटी बहन है, लाडो! बहन अगर बड़े भाई से जिद नहीं करेगी तो किससे करेगी!
पर अब इस तस्वीर की प्रॉब्लम का क्या...ओह! स्टार ट्रांसमीटर पर मैसेज आ रहा है!
यस, करीम! बोलो!
व्हाट!
यस, कैप्टेन! तुम ठीक सुन रहे हो!
राजनगर में कई जगहों पर अजीबोगरीब सर्प प्राणियों को देखा गया है!
वे कई स्थानों पर घुसकर तोड़फोड़ मचा रहे हैं!
ऐसा लगता है जैसे उनको किसी खास चीज की तलाश है!
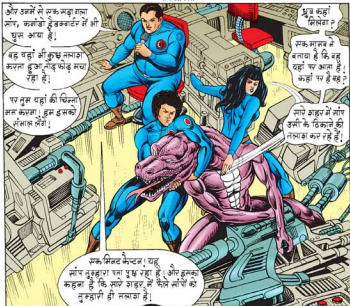
और उनमें से एक सड़ा गला सांप, कमांडो हेडक्वार्टर में भी घुस आया है!
वह यहां भी कुछ तलाश करता हुआ तोड़फोड़ मचा रहा है!
पर तुम यहां की चिन्ता मत करना! हम इसको संभाल लेंगे!
ध्रुव कहां मिलेगा?
एक मानव ने बताया है कि वह यहां पर आता है! कहां पर है वह?
सारे शहर में सांप उसी के ठिकाने की तलाश कर रहे हैं!
एक मिनट कैप्टन! यह सांप तुम्हारा पता पूछ रहा है! और इसका कहना है कि सारे शहर में फैले सांपों को तुम्हारी ही तलाश है!
ओफ! ये मुसीबत कहां से आ गई? ऐसी सर्प समस्याओं से तो नागराज का वास्ता पड़ता रहता है! इनको मुझसे भला क्या काम?
खैर मुझको तो जाना ही होगा! पर जाते-जाते मैं तुझको एक खास काम सौंपकर जाना चाहता हूं, श्वेता!
यस, भईया! बोलो! श्वेता हुक्म बजाने के लिए तैयार है!
पहला हुक्म ये है कि तू जरा कम बोला कर!
और दूसरा हुक्म ये है कि मेरे आने तक उस टूटी तस्वीर को संभाल कर रख!
हो सके तो इसके लिए कोई सिक्योरिटी सिस्टम बना ले! ये बहुत कीमती तस्वीर है!

ध्रुव की बहन श्वेता एक जीनियस वैज्ञानिक भी है।

ध्रुव के सामने एक नहीं, कई मुसीबतें थीं-
एक सांप को तो मैंने ढूंढ निकाला है! लेकिन इसकी त्वचा इतनी गली हुई सी क्यों है? ऐसा लग रहा है जैसे कि ये किसी एसिड के ड्रम से निकलकर आया हो! खैर ये सब बाद में सोचूंगा! फिलहाल तो इसको काबू में करना ज्यादा जरूरी है!
DHRUVA
TORES
ध्रुव भइया! बचकर!
ओह! तो... तू ध्रुव है! हम तुझको ही तो ढूंढ रहे हैं!
पर क्यों?
क्योंकि तेरे पास एक तस्वीर है! क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर! वह हमें दे दे...
...और इस नगर को विनाश से बचा ले!
पर इसको काबू में करना इतना आसान नहीं है! आम सांप को तो सिर्फ फन पकड़कर बेबस किया जा सकता है!
लेकिन इन इच्छाधारी सर्पों के हाथ-पैर भी होते हैं!
मुझको पता था कि ये सारी मुसीबत उसी तस्वीर के कारण आई हुई है! बस इतना और बता दो कि तुम्हारे जैसे और सर्पों को इस काम के लिए यहां पर भेजा किसने है?
सर्पखोर ने! उसी को वह तस्वीर चाहिए!

मुझको उसका पता बता दो तो मैं वह तस्वीर खुद उसके पास पहुंचा दूंगा!
सच! वह तुम्हारे नगर के उस स्थान पर हमारा इंतजार कर रहा है जिसको तुम मानव न जाने क्यों 'फन पार्क' कहते हो! वहां पर फन तो एक भी नजर नहीं आता!
फन तुझको नहीं दिखेगा! पर मुझको जरूर दिखेगा!
घटप
क्योंकि मुझको फन कुचलना है! सर्पखोर का!
इसके मुंह में मेरा 'शू ब्रेसलेट' फंसने के बाद अब मुझे इसके विषैले दांतों की चिन्ता नहीं करनी है!
इसकी सबसे बड़ी ताकत को मैंने फिलहाल खत्म कर दिया है!
अब ये किसी के लिए खतरा नहीं रहेगा! लेकिन इसके जैसे और कई सांप राजनगर के लिए खतरा बने हुए हैं! और उन सबको एक साथ रोकने का एक ही तरीका है! इन सारे सांपों को भेजने वाले को रोकना!

लेकिन तब तक कुछ ऐसा इंतजाम करना होगा ताकि ये सर्प ज्यादा तबाही न मचा सकें। और इसके लिए मुझको अपने दोस्तों की मदद लेनी होगी।
ध्रुव ये क्या कर रहा है?
आप जानते नहीं पापा? ध्रुव कुत्तों से बात कर रहा है! वह कई पशु-पक्षियों की भाषा जानता है!
गुर्रर्र गुरगुर! भौं ऽऽऽ वाऊ!
ये बच्चा सही कह रहा है! मैं अपने दोस्त कुत्तों से ऐसे और सर्पों को ढूंढकर उनको उलझाए रखने के लिए कह रहा हूं!
और ऐसा ही काम मैं अपने पक्षी मित्रों को भी सौंपूगा!
चीं चीं चींऽऽऽ चा चिं चिं चीं!
ये सर्पों को रोक नहीं सकते! लेकिन उनके विनाश फैलाने की रफ्तार को कम जरूर कर सकते हैं!
इस काम में कमांडो फोर्स पहले से ही ध्रुव की मदद कर रही थी-
लेकिन उनकी कोशिशें कुछ खास असर नहीं दिखा रही थीं-
बचकर रेणु! ये इच्छाधारी सांप हैं! इनका जहर आम कोबरा के जहर से कई गुना ज्यादा तेज होता है!
इसके विष की एक बूंद भी अगर हमारी त्वचा पर पड़ गई तो जान पर भी बन सकती है!
यह तो मैं भी समझ रही हूं करीम! पर इसको तोड़फोड़ करने से रोकने के लिए इसके पास तो जाना ही पड़ेगा! और इसके पास जाने के लिए यह खतरा भी उठाना ही पड़ेगा!
हमको ध्रुव की तरह सोचना होगा!
इनकी किसी कमजोरी का पता लगाना होगा! ताकि हम उस कमजोरी पर वार करके इसको काबू में कर सकें!

सांपों की कमजोरी तो सिर्फ यही होती है कि उनके हाथ पैर नहीं होते! पर इसके साथ ये शर्त लागू नहीं होती है! हां, एक कमजोरी और है! इनके कान नहीं होते! पर हमारी पिटाई करने के लिए कानों की भला क्या जरूरत है!
इनको कानों की क्या जरूरत है! सांपों की त्वचा तो ध्वनि के प्रति इतनी संवेदनशील होती है कि वे दबे कदमों की आहट तक को भांप लेते हैं!
यही तो! हम इसकी इसी कमजोरी को तो ढूंढ़ रहे थे!
ये इसकी कमजोरी नहीं, ताकत है, करीम!
इसकी इसी ताकत को हम इसकी कमजोरी बना सकते हैं! हमारे हेडक्वार्टर में जो 'स्पीकर' लगे हुए हैं, वे दस हजार वॉट तक की साउंड निकाल सकते हैं!
ऐसे!
अब जरा सोच, जिस प्राणी का शरीर कदमों की आहट के कंपनों से कांपने लगता है, वह रिकी मार्टिन के गाने की 10,000 वॉट साउंड से कैसे कांपेगा!
कांपेगा नहीं, पार्टनर हिल जाएगा!
आर्ररररघ!
मुझसे तो बेचारे का कांपना देखा नहीं जा रहा है! ये तो जानवरों पर अत्याचार का केस बन जाएगा! मैं इसको बेहोश करके इसका कांपना बंद करा देती हूं!
विनाश फैलाने वाला एक और सांप कम हो गया था–

और दूसरे सांपों के आतंक को ध्रुव के मित्र प्राणियों की फौज ने काफी हद तक संभाल लिया था-
DHRUVA SWEETS
अब समय था इस मुसीबत को जड़ से खत्म करने का-
इस मुसीबत की जड़ को उखाड़ फेंकने का-
अब तू तेल खामेल और करणवशी मेरी शक्ति और मेरे दिमाग को मान जाएंगे। मैंने एक साथ दर्जनों सांपों को राजनगर में यह आदेश देकर छोड़ रखा है कि वे ध्रुव नामके हर स्थान की छानबीन करें। वे विनाशभी फैला रहे हैं और उस तस्वीर को भी उस हर स्थान पर ढूंढ रहे हैं जो ध्रुव से संबंध रखती है।
मैं किसी तस्वीर को तुझे नहीं बल्कि तेरी तस्वीर को तेरे संबंधियों को सौंपूंगा। बशर्ते तेरा कोई संबंधी हो।
ताकि वे तेरी तस्वीर पर हार चढ़ाकर तेरी आत्मा को शांति पहुंचने की प्रार्थना कर सकें।
अब या तो मेरे सांप ही तस्वीर ढूंढकर मेरे पास ले आएंगे, या फिर उनके द्वारा फैलाए जा रहे विनाश से घबराकर ध्रुव ही उस तस्वीर को मुझे सौंप देगा।
ओह! तेरी मैंने तस्वीर देख रखी है! तू ही तो है सुपर कमांडो ध्रुव।
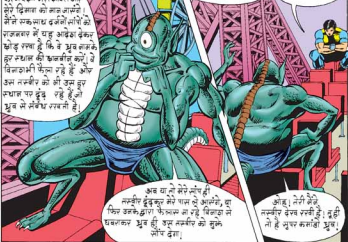
हां! मैं ही हूं वह ध्रुव जिसको तू तलाश करता फिर रहा है!
तेरे पास एक तस्वीर है जो सौडांगी ने तुझको दी है! वह तस्वीर मुझको दे दे और इस नगर के वासियों की जान सर्पखोर से बचा ले!
COLUMBO
तू अपने द्वारा भेजे गए सर्पों को वापस बुला ले, और अपनी जान बचा ले सर्पखोर! वर्ना तू तस्वीर के साथ-साथ अपनी जान से भी जाएगा!
मैं सांपों को खाकर जीता हूं बच्चे! जब उनका विष मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाया तो तेरे छोटे-छोटे हाथ-पैर भला मेरा क्या बिगाड़ पाएंगे! मुझसे लड़ने की गलती मत कर, और तस्वीर मुझको दे दे! वर्ना सर्पखोर ने अभी अपने द्वारा खाए गए कुछ ही सर्पों को तेरे शहर पर उगला है! कई बचे हैं! उनमें से कुछ तुझ पर भी उगल दूंगा!
सर्पखोर जिन सर्पों को निगलता है उनको पचाता नहीं है बल्कि अपने पेट में रखे रहता है! समय आने पर मैं उनको अपना काम करवाने के लिए उगलता हूं क्योंकि मेरे पेट में जाने के बाद वे सब मेरे गुलाम बन जाते हैं!
सर्पों को तो तब उगल पाएगा न...
जब तेरे गले की नली खुली रहेगी! मेरी स्टार लाइन तेरे गले को कस-कसकर तेरी नली को बंद कर देगी!
और मेरी किक तुझको फांसी पर लटका देगी!
पता नहीं कि तेरे जैसा बेशर्म फांसी लगाकर भी मरेगा या नहीं...

इसीलिए तुझे बिजी रखने के लिए तुझको जरा सी पेंगें देनी पड़ेंगी!
COLUMB
कोलंबस झूला तेजी से झूलने लगा-
और उससे लटका सर्पखोर का शरीर उससे भी ज्यादा तेजी से झूलने लगा-
और उसकी गर्दन पर का शिकंजा और कसने लगा-
तूने चाल... अक... तो अच्छी चली है! अक! लेकिन मैं जल्दी ही... इस धागे को अक... तोड़ दूंगा!
मैं तेरे हाथों में इतनी ताकत छोड़ूंगा ही नहीं!
ये धागा नहीं, नाइलो-स्टील का तार है सर्पखोर! और इसमें करेंट भी दौड़ सकती है!
बिजली के तार का स्टार लाइन से स्पर्श होते ही, सर्पखोर के शरीर में भी बिजली दौड़ गई-
अब ये बिजली तभी बंद होगी जब तुम अपने सर्पों को बुला लोगे, सर्पखोर!
तुम्हारी कोशिश तो अच्छी है ध्रुव, पर यह ज्यादा देर तक कामयाब नहीं रहेगी!
कौन?

सर्परवोर का पुराना दुश्मन! अनगिनत वर्षों से इसकी तलाश में था मैं। आज बहुत दिनों बाद ये अपनी मांद से बाहर आया है। पर इसको मारने का एकमात्र हथियार अभी भी मेरी पहुंच से बाहर है।

तुम हो कौन? कहां से आए हो? सर्परवोर से तुम्हारी क्या दुश्मनी है और इसको मारने का तरीका क्या है?

यही काम पिरामिड के रक्षक इच्छाधारी सर्पों का भी था। परन्तु देवताओं के मंदिर की तरह फेराओ यानी मिस्री शासकों के लिए पिरामिड बनना कुछ देवताओं को पसंद नहीं आया। उन्होंने पिरामिड के रक्षक सर्पों की शक्ति को कम करने के लिए गरुड़ के वरदान से युक्त सर्परवोर को पिरामिड नष्ट करने के लिए भेज दिया।

अगर सर्परवोर के आजाद होने से पहले मैं तुम्हारे सारे सवालों के जवाब दे सका तो जरूर दूंगा।

मेरा नाम सिराद्रा है। और एक जमाने में मेरा काम पिरामिडों को बनाना और उनमें रखी वस्तुओं की सुरक्षा करना था।

सर्पों की कोई भी शक्ति सर्परवोर को मार नहीं सकती थी। इसने सैकड़ों सांपों को खा डाला। और सर्पों को घबराकर भूमि के नीचे शरण लेनी पड़ी। तब इसने पिरामिडों को तोड़ना शुरू कर दिया।

ये पिरामिडों को तोड़ता गया और मैं पिरामिडों को जोड़ता गया। काफी समय तक ये रस्साकशी चलती रही। धीरे-धीरे मेरी शक्तियां इस पर हावी होने लगीं। पर इससे पहले कि मैं इसका खात्मा कर पाता ये खतरे को भांपकर कहीं गायब हो गया।

मैं तभी से इसको ढूंढ रहा हूं। और आज जाकर यह मुझको मिला है।

इतना तो मैं समझ गया। पर इसको खत्म करने का तरीका तुमने मुझको अभी तक नहीं बताया।

इसको मारने का एकमात्र हथियार क्लियोपैट्रा के पास था। वह उसके महल में रखा हुआ था। एक त्रिशूल। पर वह महल ही न जाने कहां चला गया।

अब जब तक महल नहीं मिलता तब तक सर्परवोर को उसकी मौत नहीं मिलेगी।

वह महल! वह महल तो... महल तो...
हां, हां बोलो, बोलो! तुम जानते हो कि वह महल कहां पर है? अगर ऐसा है तो इस नगर पर आया हुआ विनाश टल सकता है! सर्पखोर मर सकता है!
मैं भी अपने फर्ज को पूरा करके इस दुनिया से आजाद हो सकता हूं!
ओह! सर्पखोर जिस तार से लटका हुआ था, वह स्पार्किंग के कारण टूट गया है!
सर्पखोर आजाद हो गया है! अब किसी की भी खैर नहीं है!
तुम अगर तस्वीर का पता जानते हो तो बताओ! जल्दी बताओ!
सर्पखोर की मौत ढूंढ़ने की जरूरत नहीं है ध्रुव!...
... क्योंकि सर्पखोर की मौत ने खुद उसको ढूंढ़ लिया है!
नागराज!
नागराज! नागराज यहां पर? इसको तो मिस्र जाना चाहिए था!
खैर, यह भी सर्पखोर को रोक नहीं पाएगा! सर्पखोर इससे भी नहीं मरेगा!

कहानी 19 पेज से आगे

नागराज के सामने आज तक कोई भी खलनायक टिक नहीं पाया है, सिराह्रा! और सर्पखोर भी एक खलनायक ही है!
पर वह नागशक्ति से नहीं मर सकता! और नागराज भी नाग-मानव है! वह मर सकता है तो सिर्फ क्लियोपैट्रा के महल में रखी शक्ति से! अभी भी समय है! मुझे उसके महल का पता दे दो!
ये तो तुम ठीक कह रहे हो सिराह्रा! वैसे तो हमको भी नागराज की मदद करनी चाहिए!
आओ मेरे साथ!
वाह! अद्भुत वाहन है ये! और इसको चलाने में तुमको महारत भी हासिल है!
धन्यवाद सिराह्रा!
जल्दी ही-
यहां पर क्या है, ध्रुव?
उस महल का पता! आप यहां पर बैठकर इंतजार कीजिए!
मैं अभी आता हूं!
ठीक है! पर जरा जल्दी आना!
हमारे पास वक्त बहुत कम है!
ओह! ये... ये क्या? मेरे हाथ पैर शिकंजे में कैसे कस गए?
जरूर कुछ गलती हुई है! खोलो, मुझे खोलो!
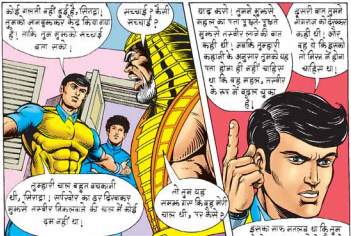
कोई गलती नहीं हुई है, सिराह्रा! तुमको जानबूझकर कैद किया गया है! ताकि तुम मुझको सच्चाई बता सको!
सच्चाई? कैसी सच्चाई?
याद करो! तुमने मुझसे महल का पता पूछते-पूछते मुझसे तस्वीर लाने की बात कही थी! जबकि तुम्हारी कहानी के अनुसार तुमको यह पता होना ही नहीं चाहिए था कि वह महल, तस्वीर के रूप में बदल चुका है!
दूसरी बात तुमने नागराज को देखकर कही थी! और वह ये कि इसको तो मिस्र में होना चाहिए था!
तुम्हारी चाल बहुत बचकानी थी, सिराह्रा! सर्पखोर का डर दिखाकर मुझसे तस्वीर निकलवाने की चाल में कोई दम नहीं था!
तो तुम यह समझ गए कि वह मेरी चाल थी, पर कैसे?
इसका साफ मतलब था कि तुम पहले से सबकुछ जानते थे और मुझे झूठी कहानी सुनाकर तस्वीर हासिल करना चाहते थे!
अब बताओ किसने भेजा है तुमको तस्वीर लाने के लिए? वह जो भी है उसका संबंध सौडांगी के कबीले पर आई मुसीबत से जरूर होगा!
उससे संपर्क करके उस विनाश को बंद करने के लिए कहो! वर्ना उसका एक साथी कम हो जाएगा!
तुम!
हा हा हा हा!
तुम कुछ नहीं जानते! तुमसे ज्यादा तो नागराज जानता है! क्योंकि वह मिस्र होकर वापस आ चुका है, और अपने हिस्से वाली तस्वीर गंवा भी चुका है! इसीलिए मुझे उसको यहां पर देखकर आश्चर्य हुआ था! उसको तो तस्वीर लेने वापस मिस्र जाना चाहिए था! खैर, मुझे तुमको कुछ बताना है!

अगर तुम मेरी झूठी कहानी मान लेते तो शायद मैं तुम्हारी जान बख्श देता! पर मेरी कहानी में कुछ बातें सच्ची भी थी! जैसे कि मेरा नाम सिराद्रा है! और मैं सचमुच पिरामिडों का मुख्य निर्माणकर्ता था!
आज के युग में सभी आश्चर्य करते हैं कि टनों भारी पत्थरों को पिरामिडों को बनाने के लिए ऊपर तक कैसे पहुंचाया गया था! उसको मैंने वहां तक पहुंचाया था! अपनी एक नायाब शक्ति की मदद से!
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प्रतिगुरुत्वाकर्षण शक्ति की मदद से!
यानी... एंटी ग्रेविटी पॉवर! ओह!
कड़
टट
इस पॉवर से ये अपने बंधनों को खोल रहा है!
और अब ये पूरे कमांडो हैडक्वार्टर की भारी-भारी मशीनों को हवा में उड़ाकर हम पर वार कर रहा है!
शायद इसको कमांडो हैडक्वार्टर में लाना मेरी सबसे बड़ी गलती थी!

COMMANDO HEADQUARTER
सबसे बड़ी नहीं, आखिरी गलती बोल, ध्रुव!
अब या तो तस्वीर को बगैर समय बर्बाद किए मेरे हवाले कर दे, और या फिर सर्परवीर और सिराह्ना के हाथों अपने प्यारे शहर की बर्बादी होते देख!
सिराह्ना हवा में उड़ा देगा तेरे शहर को!
ओह! इसने तो पूरे क्षेत्र को गुरुत्वाकर्षण रहित कर दिया है! बाकी चीज़ों को साथ-साथ हमारे शरीर भी हवा में उड़ रहे हैं!
इससे पहले कि हमारे प्राण पखेरू उड़ जाएं, कुछ करो कैप्टेन! कुछ करो!

राजनगर पर मुसीबत दो तरफ से टूट रही थी-

बस, बहुत हो गया नागराज! तुझे देखकर मेरे मुंह में पानी आ रहा था! इसी लिए मैं तुझको साबुत निगलना चाहता था! टूटे फूटे सांप मुझे पसंद नहीं हैं! अब तक तुझ पर वार न करने का यही एकमात्र कारण था!

पर तूने तो मेरी इस कमजोरी का फायदा उठाना शुरू कर दिया! अब तुझे तोड़ने के अलावा और कोई चारा नहीं है!

आऽऽह!

तुझमें आश्चर्य-जनक ताकत है! तेरी ताकत को सर्परस्सी में जकड़कर जरा कम करना होगा!

क्योंकि मैंने अपने पेट में से कई सांपों को राजनगर में विनाश फैलाने के लिए बाहर निकाल दिया था। पर तूने अपने सांपों को खिलाकर मेरी ताकत को काफी हद तक वापस कर दिया है!

कचर, कचर, कचकच!

तू बुरा सोचने के चक्कर में मेरा भला कर रहा है नागराज!

बड़ी देर से पेट में भूख से कुलबुलाहट हो रही थी। कमजोरी लगने लगी थी!

मेरे सांपों को तू तभी तक चबा पाएगा जब तक तू होश में रहेगा सर्पखोर! तेरे होश को मेरी विषफुंकार छीन लेगी!

आऽऽऽ हा! तेरे अंदर तो जहरीला मसाला भरा हुआ है! इतना स्वादिष्ट सांप तो मैंने आज तक नहीं खाया! वैसे अगर तेरे अंदर इतना जहर मौजूद है...
TUNNEL OF LOVE
... तो मैंने भी अब तक सैकड़ों सांपों को निगला है! उन सबके विष का मिश्रण मेरे अंदर मौजूद है! इसको सह सके तो सहकर दिखा!
आऽऽऽ हा! इसके मिश्रण में तो ऐसे अजीब-अजीब विष मिले हुए हैं, जिनको सूंघकर मेरा दिमाग भी हिल गया है! अजीब सी सड़ांध है इसके विष मिश्रण में!
अब और कोई चारा नहीं है!
इस पर विषदंश का प्रयोग करना ही पड़ेगा!
ताकि ये मेरे विष के प्रभाव से गल जाए और किसी और को नुकसान न पहुंचा सके!
खटचचच
आऽऽऽ हा! तेरा विषदंश तो ततैये के डंक से भी ज्यादा तेज है!
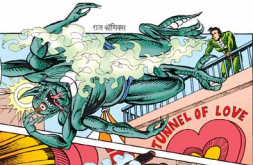
पर तेरा विषदंश मुझको सिर्फ असहनीय पीड़ा दे सकता है नागराज! लेकिन मुझको मार नहीं सकता! नागों की कोई भी शक्ति मुझको मार नहीं सकती!
पर मैं तुझको मार सकता हूं! तेरी कलाईयों से घातक नाग निकलते हैं न!
देख! मेरे मुंह से इच्छाधारी सर्प निकलते हैं! जो मेरे पेट में रहते हैं!
ओह! अजीब तरीके का सर्प है ये! पर मेरे सामने ये टिक नहीं पाएगा! मेरी स्नेक कुंगफू के एक ही वार से इसको लकवा मार जाएगा!
मैं जानता हूं कि कोई भी नाग या इंसान ज्यादा देर तक तेरे सामने टिक नहीं पाता है! लेकिन इनको खत्म करने में तू अपनी कुछ ऊर्जा तो खर्च करता ही है न?
... और जब तू पूरी तरह से बेदम हो जाएगा, तब मैं आराम से तेरा स्वाद ले-लेकर तुझको तेरे जहरीले मसाले के साथ खाऊंगा!
मैं नागों को उगलता जाऊंगा और तू मेरे नागों को मार-मारकर अपनी ऊर्जा खर्चता जाएगा...
इसकी योजना खतरनाक है! मुझे इसको खत्म करना ही होगा!
पर कैसे? मेरे पास तो जो भी शक्तियां हैं वे नागशक्तियां हैं! और नागशक्ति इसको मार नहीं सकती!

फिर मैं क्या करूं इसको खत्म करने के लिए!

मार नागराज! और मार मेरे इच्छाधारी सांपों को! मारता जा और थकता जा!

आऽऽऽह! थकान बढ़ती जा रही है! मैं शीतनाग या नागू जैसे सर्पों की मदद लेने की भी सोच नहीं सकता! क्योंकि अगर ये वरदान युक्त शैतान सर्पखोर उनको खाने में सफल हो गया तो वे इसके गुलाम बनकर, मेरे दुश्मन बन जाएंगे!

अब मेरी ताकत जवाब दे रही है! हफ! अब तो... हफ... वार करने के लिए... हाथ को भी... हफ... उठाना मुश्किल हो रहा है! हफ!

आह!

ओऽऽऽह!

तूने बड़े सारे सांप मेरे पेट से निकलवा दिए! भूख से बेदम कर दिया है मुझको! अब मैं तुझको खाकर अपनी भूख मिटाऊंगा! चबाकर खाऊंगा तुझे!

नागराज की तरह ही ध्रुव और उसकी कमांडो फोर्स भी बेबस थी-
ओह! ये उड़ती वस्तुओं का इस्तेमाल मिसाइल की तरह कर रहा है! और विनाश फैला रहा है!
इसकी शक्ति से हम नहीं जीत सकते!
पर हम इसको खत्म कर सकते हैं ध्रुव! देखते हैं कि ये हमारी गोलियों से कैसे बचता है!
देखो! आराम से देखो!
मैं इन गोलियों को सिर्फ हवा में रोक ही नहीं सकता हूं!
बल्कि उनको बिना किसी यंत्र के दाग भी सकता हूं! देखो, ऐसे!
आऽऽऽऽह!
आऽऽऽऽह!

मिस्र में बैठे करणवशी का पारा सातवें आसमान पर चढ़ चुका था-
अब मुझको समझ में आया कि इतनी सदियों तक तुम अपनी पिरामिड की कब्र में ही क्यों सड़ते रहे तूतेन! क्योंकि न तुम और न ही तुम्हारे आदमी कोई काम ढंग से कर सकते हैं!
हमने एक नहीं दो-दो महारथियों को राजनगर में तस्वीर लाने के लिए भेजा है! लेकिन वे दोनों ही विनाश फैलाने के अलावा और कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं!
तस्वीर का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है!
शशश! एक मिनट करणवशी! हम जो दृश्य सर्पखोर के सर्पों की आंखों के द्वारा देख रहे हैं उनमें से एक सर्प की आंख हमको कुछ दिखा रही है!
सर्पखोर ने अपने जिन सांपों को राजनगर में फैला रखा था, उनमें से एक सचमुच ध्रुव के घर में रखी तस्वीर तक पहुंच गया था-
पर उसको लाना इतना आसान नहीं था! क्योंकि तस्वीर श्वेता द्वारा डिजाइन किए गए सिक्योरिटी सिस्टम के अंदर रखी थी-
यही है वह तस्वीर! इसी को मुझे लेकर मालिक सर्पखोर के पास जाना है!
अरे! ये... ये तो वही तस्वीर है! क्लियोपैट्रा के महल के पीछे का हिस्सा! आखिरकार अब तस्वीर हमारे हाथ में आकर ही रहेगी!
शाबाश रे सांप! ले आ तस्वीर को!
आऽऽऽह! ये क्या? रास्ते में अदृश्य ऊर्जा की तरंगें हैं!
पर मैं भी इच्छाधारी सर्प हूं! मैं अपनी आंखों को इस तरह से व्यवस्थित कर सकता हूं कि मैं अदृश्य ऊर्जा तरंगों को भी देख सकूं!

और फिर मैं इन अदृश्य तरंगों के बीच से लहराकर आराम से निकल सकता हूं!
अब तस्वीर मुझसे ज्यादा दूर नहीं है!
लेकिन तस्वीर के केस पर हाथ लगाते ही-
...और मेरे हाथ भी इसमें फंसकर रह गए हैं!
आऽऽऽह! ये बक्सा कांच का नहीं है! इसमें तो मेरे हाथ घुसते जा रहे हैं! ...
साथ ही साथ कहीं पर घंटी भी बज रही है!
घंटी, एलार्म सिस्टम का एक हिस्सा है, सांप! ताकि इस 'जेली केस' को छूते ही चंडिका को खबर हो जाए, और वह तुरंत यहां पर आ जाए!
चंडिका!
तस्वीर तो वहां पर है! जो ऊपर ऐसे कोण पर टंगी हुई है जो शीशे के अंदर अपना प्रतिबिंब दिखाती रहती है!
श्वेता वाली चंडिका का सिक्योरिटी सिस्टम एकदम परफेक्ट था-
कुछ ही पलों में हमलावर सांप की आंखें बंद हो चुकी थीं-
तडाक
हां, चंडिका! अब तू पिटने के अलावा और कुछ नहीं कर सकता!
वैसे एक बात और जान ले! जेली केस के अंदर तस्वीर नहीं, एक शीशा लगा हुआ है!

तो ये है वह खतरा! जिसकी भइया को आशंका थी! मुझे तुरंत भइया को इंफार्म करना होगा!
किर्र्रर्र! खच खच खच टूं sss
ओफ्फ! स्टार ट्रांसमीटर से कौंटेक्ट नहीं हो पा रहा है! बहुत डिस्टर्बेंस है! कमांडो हैडक्वार्टर के ट्रांसमीटर पर संपर्क करती हूं! वह ट्रांसमीटर बहुत पावर फुल है! उससे मेरा संपर्क जरूर हो जाएगा!
हैलो, करीम! मैं श्वेता! भइया कहां पर है! उससे मुझे बहुत जरूरी बात करनी है!
अभी उससे बात कर पाना असंभव है श्वेता!
क्योंकि यहां पर एक बड़ी मुसीबत आई हुई है! यहां का पूरे एक वर्ग किलोमीटर का एरिया गुरुत्वाकर्षण रहित हो गया है!
सारी चीजें हवा में उड़ रही हैं! ध्रुव इस मुसीबत को लाने वाले किसी शैतान सिराद्रा से निपटने में व्यस्त है!
कमाल है! इतना बड़ा एरिया ग्रैविटी-फ्री कैसे हो सकता है! मुझे खुद जाकर देखना होगा! लेकिन जाना होगा तैयारी के साथ!
कहां पर?
यहीं!
कमांडो हैडक्वार्टर के ठीक पास!
ताकि अगर इस मुसीबत के पीछे विज्ञान की शक्ति है तो मैं उसका तोड़ ढूंढकर इस मुसीबत को खत्म करने में ध्रुव की मदद कर सकूं!

करणवशी अब पागलपन की हद तक पहुंच गया था-
ओऽऽऽऽ हाथ आते-आते वह पेंटिंग हाथ से फिसल गई! और वे दोनों मूर्ख... वह सर्पखोर और सिराट्रा दोनों नागराज और ध्रुव से उलझकर समय बर्बाद कर रहे हैं!
मन तो कर रहा है कि मैं अपनी दाढ़ी के बाल एक-एक करके नोच लूं!
शांत, करणवशी शांत! सोचो, ये बुरा नहीं अच्छा हो रहा है! बल्कि यूं समझो कि हमारी तो किस्मत खुल गई!
इससे पहले कि मैं तेरी खोपड़ी खोल दूं, तू बता दे कि हमारी किस्मत कैसे खुल गई है!
देखो! तस्वीर का हमको पता चल ही गया है! और नागराज और ध्रुव ऐसे उलझे हुए हैं कि वो फिलहाल हमारे रास्ते में टांग नहीं अड़ा सकते!
और हमारा रास्ता क्या है?
चुपचाप राजनगर पहुंचना और तस्वीर लेकर वापस लौट आना!
अरे! अरे, वाह! ये... ये बात मेरे दिमाग में क्यों नहीं आई?
गुस्सा बाहर निकालोगे तो दिमाग में काम की बात घुसेगी न! अब चलें?
और राजनगर में-
जानता है, नागराज? जब मैंने पहली बार तेरा नाम तूतेन के मुंह से सुना था तभी मेरे मुंह में पानी आ गया था!
वैसे तो मैं सांपों को साबुत निगलकर उनको अपना गुलाम बना लेता हूं! पर तुझको मैं गुलाम नहीं बनाऊंगा! चबा-चबा कर खाऊंगा मैं तुझको! सड़प! सड़प!

आऽऽऽह! ये मेरा मांस नोंच-नोंचकर खा रहा है! और मेरा वह विष जो किसी भी जीवित प्राणी को मोम की तरह गला देता है! इस पर जरा सा भी असर नहीं डाल पा रहा है!
मेरी शारीरिक शक्ति भी मेरा साथ नहीं दे पा रही है! अब तो शीतनाग या नागू की शक्तियों के प्रयोग करने का खतरा मोल लेना ही होगा!
आह! भूख से मेरी अंतड़ियां कुलबुला रही थी! कमजोरी लग रही थी! जो अब जाकर थोड़ी सी शांत हुई है!
ये ही बात तो मैं भूल रहा था! मुझे इसको कमजोर करना है, और इसको कमजोरी पेट खाली हो जाने के कारण लगती है!
और मुझे इसका पेट खाली कराने का एक नायाब आइडिया दिमाग में आ रहा है!
CONTROL ROOM
इस आइडिए को अमल में लाने के लिए मुझे सर्पखोर को एक कप में डालकर...
... इसको सर्परस्सी से जकड़ देना होगा! ये आराम से आजाद हो सकता है! पर इसके ऐसा कर पाने से पहले ही मैं...

कहानी 35 पेज से जारी

सर्पराज्ञी के द्वारा इस झूले की पॉवर को ऑन कर दूंगा। यह झूला भी अजीब है। ये अपनी धुरी पर तो घूमता ही है! साथ ही साथ 'कप सॉसर' भी अपनी धुरी पर नाचते हैं!
OFF
अब अगर इस झूले को इसकी फुल स्पीड पर घुमा दिया जाए...
...तो अच्छे-अच्छों को उल्टी होने लगती है! इस वक्त इस झूले पर सिर्फ सर्पखोर बैठा है! अब उसको ऐसा चक्कर आएगा...
...कि वह उल्टी करने पर मजबूर हो जाएगा। हर उल्टी के साथ उसके पेट में भरे सर्प बाहर निकलकर झूले पर गिरते जाएंगे और खुद भी चक्कर खाते जाएंगे!
ऐसे सर्पखोर का पेट पूरी तरह से खाली हो जाएगा! और खाली पेट से भड़कती भूख इसको इतना कमजोर कर देगी...
उवैक वैक

...कि ये अपने पैरों पर खड़ा होने लायक भी नहीं रहेगा!...
...लड़ना तो दूर की बात है!
वेदाचार्य! और फेसलेस!
जैसे ही राजनगर में सर्पखोर के देखे जाने की खबर पाते ही तुम महानगर से निकले वैसे ही हम भी निकल चुके थे! बस, उसी रास्ते से यहाँ पर पहुँचने में हमको थोड़ी सी देर हो गई!
वाह नागराज!
तुमको तो हमारी मदद की जरूरत ही नहीं पड़ी!
नागराज को आभास तक नहीं था कि उससे कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर सर्पखोर से भी बड़ी मुसीबत राजनगर पर मंडरा रही थी–
खैर, अब चिन्ता की कोई बात नहीं है! मैं इसके लिए एक ऐसी तिलिस्मी कैद तैयार करूँगा, जिसमें से ये कभी नहीं निकल पाएगा।
पर उसके लिए मुझे इसकी शक्तियाँ जाननी होंगी! मुझे इसकी शक्तियों के बारे में बताओ नागराज!
ओ गॉड! इस डिवाइडर से आगे की सारी चीजें हवा में उड़ रही हैं!
यानी यहीं से जीरो ग्रैविटी एरिया शुरू होता है!

यानी इसके अंदर आते ही मैं भी हवा में उड़ने लगूंगी!
ओह!
हवा में लगा जाम मैं पहली बार देख रही हूं! अब इस जाम के बीच में से उड़ते हुए ध्रुव को ढूंढ़ना पड़ेगा!
क्योंकि जहां पर ध्रुव होगा, वहीं पर वह मुसीबत भी होगी जिसने सबको हवा में उड़ाया हुआ है!
मुसीबत सचमुच ध्रुव के सामने थी-
और अब वह सिराट्रा नाम की मुसीबत जानलेवा होने ही वाली थी-
लगता है तुझे अपने नगर के विनाश की चिन्ता नहीं है! पर तुझे अपने विनाश की चिन्ता जरूर होगी! बता, वह तस्वीर कहां है? वर्ना मैं तेरी हड्डियों को चूर-चूर कर दूंगा!
ओह! अगर मैंने जुपिटर सर्कस में कलाबाजी न सीखी होती तो हवा में लटके-लटके मैं इस वार से कभी बच नहीं सकता था!
पर मैं हर बार शायद ऐसा नहीं कर पाऊंगा! मुझे सिराट्रा से निपटने का कोई न कोई रास्ता ढूंढ़ना होगा!
ओह! तू मेरे द्वारा उड़ाई गई चीज का वार मुझ पर ही कर रहा है!
अरे! कुछ और कर! मैंने तो तेरे दिमाग के बड़े चर्चे सुन रखे हैं!
आहा! इस बात पर मैंने अब तक ध्यान कैसे नहीं दिया!

अगर सारी चीजें हवा में उड़ रही हैं तो सिराद्रा जमीन पर कैसे खड़ा हुआ है, ये हवा में क्यों नहीं उड़ रहा है ?
क्या इसके आसपास का क्षेत्र गुरुत्त्वाकर्षण रहित नहीं हुआ है! ये बात अभी इसके पास जाकर चेक कर लेता हूं!
आहा! पिटने के लिए तू खुद मेरे पास आ रहा है! अच्छा है!
मुझे तुझ तक पहुंचने की तकलीफ नहीं उठानी पड़ेगी!
आSSSह!
इसके पास का क्षेत्र तो गुरुत्त्व रहित ही है! फिर क्या चक्कर है?
इसके जूते! इसके जूतों में जरूर ऐसा कुछ है जो इसको जमीन से चिपकाए हुए है!
अगर इस क्षेत्र की जमीन की गुरुत्त्वाकर्षण शक्ति खत्म हो गई है तो गुरुत्त्व-शक्ति इसके जूतों के तले में होनी चाहिए!
और अगर इसके जूतों के सोल में गुरुत्त्वाकर्षण शक्ति है तो हवा में उठते ही वह हवा में तैरती चीजों को अपनी तरफ खींचेगी!
अरे! ये... ये क्या?
और सिराद्रा एक बड़े से मलबे के ढेर में दबकर रह जाएगा!
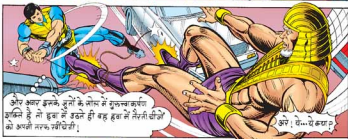
वाह, ध्रुव! मैं तो तुम्हारी मदद के लिए आई थी! पर तुमने तो अकेले ही इस मिस्री की चींटी बना दी!
मदद करने को आने के लिए थैंक्स चंडिका! पर अभी मुसीबत तो वहीं की वहीं है!
इस क्षेत्र से गायब हुई ग्रेविटी फोर्स अभी तक गायब ही है!
बगैर ग्रेविटी के वापस आए मुसीबत दूर नहीं होगी!
21
ग्रेविटी कोई चिड़िया नहीं है ध्रुव कि जब चाहा तब उड़ा दी! जरूर इसके पीछे कोई वैज्ञानिक तत्व है! यहाँ आने से पहले मैं श्वेता के पास गई थी! वहां पर कोई सांप श्वेता की किसी तस्वीर को चुराने आया था। उसने उसी से निपटने के लिए मुझको बुलाया था! उसको तो मैंने निपटा दिया!
पर तुम्हारी मदद के लिए मैं वहां से श्वेता के कुछ यंत्र भी लेती आई थी! जैसे कि ये 'फोर्स फील्ड फाइंडर' शायद इससे पता चल सके कि वह कौन सी फोर्स है जिसने ग्रेविटी को यहां से दुम दबाकर भागने पर मजबूर कर दिया है!
अरे! इस 'गैजेट' पर तो रीडिंग जीरो है, लेकिन इस 'केमिकल एनालाइजर' पर कुछ रीडिंग आ रही है!
ये 'केमिकल एनालाइजर' जिन तत्वों का विश्लेषण कर रहा है, उनके इस्तेमाल से तो 'सोलर बैटरी' यानी सौर ऊर्जा से चार्ज होने वाली बैटरियाँ बनाई जाती हैं! पर इसका क्या मतलब है?
शायद इनमें से किसी कार या बस में सोलर बैटरी लगी है!
जब तक तुम लोगों को इस बात का पता चलेगा तब तक तुम लोग दूसरी दुनिया के रास्ते पर रवाना हो चुके होगे!
सिराट्रा ने फिर से अपने आप पर काबू पा लिया है!
अब सिराट्रा तस्वीर को तुम्हारी लाशों को पार करने के बाद ही हासिल करेगा!

सिराह्ना को तस्वीर उठाने की तकलीफ करने की जरूरत नहीं थी-
क्योंकि तूतेन खामेन खुद तस्वीर उठाने के लिए पहुंच चुका था-
आह्हा! सौडांगी के तंत्र ने मेरी यहां तक पहुंचने में सहायता की है!
यहीं पर तस्वीर टंगी होने की बात कही थी उस लड़की ने। हां, ये रही वह तस्वीर!
जरा मैं भी तो हाथ में लेकर देखूं इस तस्वीर को।
अरे!
इसमें तो मेरी शक्ल दिख रही है। ये भी एक दर्पण है।
उस लड़की ने एक-दूसरे में अपना प्रतिबिम्ब दिखाते दर्पणों की एक श्रृंखला लगा रखी है!
लेकिन फिर असली तस्वीर कहां है। मुझे प्रतिबिम्बों का पीछा करना होगा।
तस्वीर अभी भी करणवशी के गैंग के हाथों से दूर थी-
लेकिन मौत ध्रुव चंडिका और कमांडो फोर्स के काफी करीब थी-
आऽऽऽह! इसने तो उड़ती कारों को बम की तरह दागने की ठान ली है!
कुछ करो, ध्रुव!

इससे निपटने के लिए इसकी शक्ति का राज जानना होगा।
और वह राज या तो ये जानता है और या फिर इसका भगवान!
इसका भगवान! वाह क्या बात कही है, चंडिका!
मैं कुछ समझी नहीं ध्रुव! मेरी टांग तो नहीं खींच रहे हो न?
नहीं चंडिका! तुम्हारा 'केमिकल एनालाइजर' सही कह रहा था। यहां पर सौर ऊर्जा बैटरी मौजूद है।
यह तो सभी जानते हैं कि प्राचीन मिस्र में सूर्य को सबसे बड़ा देवता माना जाता था। वह शायद इसलिए क्योंकि सूर्य इनको शक्ति देता था।
सौर ऊर्जा की शक्ति! एंटी ग्रेविटी फोर्स पैदा करने के लिए एनर्जी चाहिए!
और वह एनर्जी इसको सौर ऊर्जा से मिल रही है!
इसके पास कोई न कोई ऐसी चीज जरूर है, जो सौर ऊर्जा को सोलर बैटरी बनकर सोख रही है! और उसी से इसको ये पॉवर मिल रही है!
इसके कड़े! जरूर वे ही सोलर बैटरी का काम कर रहे हैं! पर इस रात में इसको सौर ऊर्जा कहां से मिल रही है!
एनर्जी को एनर्जी ही काट सकती है! इसके कड़े धातु के हैं!
शायद चांद से! चांद भी सूर्य की ही किरणों को हमारी पृथ्वी पर परावर्तित करता है!
अब क्या करें? इसके कड़ों को भला हम कैसे उतार सकते हैं!
और इन तारों में बिजली अभी भी दौड़ रही है!
और वह भी 11000 वोल्ट की!

इस शॉक को सह पाना किसी भी इंसान के लिए असंभव था-
आऽऽऽह! मेरे कड़े पर तेरा वार करना बता रहा है कि तूने मेरी शक्ति के स्रोत को ढूंढ लिया है। लेकिन मुझको ऊर्जा देकर तू मेरी शक्ति को और बढ़ा रहा है!
लेकिन मिराद्रा तो वह सदियों पुरानी जीवित लाश थी जिसको तूतेन ने पिरामिड की चमत्कारी शक्तियों की मदद से अब तक जीवित रखा था-
और जो मौत को सह सकता है वह कुछ भी सह सकता है-
... बल्कि इमारतों से कुचल कर मार सकता हूं।
चांद की धीमी सौर ऊर्जा तो मुझको सिर्फ वाहन जैसी चीजों को उठा पाने की क्षमता ही दे पा रही थी, पर ये ऊर्जा पाकर तो मैं कुछ भी उठा सकता हूं! धन्यवाद ध्रुव, धन्यवाद! अब मैं तुझको वाहनों से कुचलकर नहीं...
ये क्या हुआ, ध्रुव? हमने तो इसकी ताकत और बढ़ा दी!
थोड़ा धीरज रखो चंडिका! विद्युत ऊर्जा दूसरी ऊर्जाओं में बदलने के साथ-साथ हमेशा 'हीट एनर्जी' में भी बदलती है!
और 11000 वोल्ट की ऊर्जा जब ऊष्मा में बदलेगी तो वह धातु को पिघला कर पानी बना देगी!
और तब इसकी शक्ति को काटना बहुत आसान होगा!
दूसरा कड़ा भी उतर गया और

कड़े, सिराद्रा के शरीर से अलग होते ही उसकी शक्ति भी खत्म हो गई-
पूरे क्षेत्र में गुरुत्वाकर्षण की शक्ति वापस लौट आई-
और एक गिरती कार ने सिराद्रा को अपना निशाना बना डाला-
आऽऽऽह! बेचारा सिराद्रा अपने ही हथियार से मारा गया।
और इनकी तस्वीर ले जाने की कोशिश नाकाम हो गई। वैसे तो मैं चाहता था कि तुम तस्वीर की सुरक्षा के लिए वहां पर रुकती चंडिका, पर कोई बात नहीं! वहां पर श्वेता तो है न।
श्वेता? हां... हां, पर क्यों? तस्वीर लेने पहुंचे सांप को तो मैंने काबू में कर लिया था।
तस्वीर पर और भी हमले हो सकते हैं! पर मुझको श्वेता पर भरोसा है! वह संभाल लेगी।
श्वेता! म... मैं चलती हूं ध्रुव! तुम भी फटाफट घर पहुंचो!
ये क्या बेवकूफी कर दी मैंने! तस्वीर के तो आसपास भी कोई नहीं है!
अरे, कहां चले, ध्रुव?
ओ नागराज! और वेदाचार्य! साथ में फेसलेस भी है! यानी तुमने सर्पखोर पर काबू पा लिया।
पर तुम राजनगर आए कैसे?
सर्पखोर की खबर पाकर!
उससे पहले तो मैं तस्वीर लेने निकल आ रहा था!

पर मुझे यह देखकर तसल्ली मिली है कि करणवशी तुम्हारी तस्वीर ले जाने में कामयाब नहीं हो सका!
करणवशी! उसका इस तस्वीर से क्या संबंध है?
सारा षड्यंत्र उसी का तो रचा हुआ है! सुनो!
नागराज तो निश्चिन्त था–
लेकिन श्वेता की चिन्ताएं बढ़ती जा रही थीं–
ओ माई गॉड! ओ माई गॉड! मेरे वहां पर पहुंचने तक उस तस्वीर को बचाकर रखना!
श्वेता की चिन्ता बेबुनियाद नहीं थी–
क्योंकि तूतेन ने उस तस्वीर को ढूंढ़ने का रास्ता निकाल लिया था–
यहां पर दर्पणों का जाल ऐसे बिछा है कि हर दर्पण में दूसरे दर्पण की छवि नजर आ रही है! और इस श्रृंखला के आखिरी दर्पण के सामने तस्वीर रखी है। यानी अगर मैं इस तस्वीर दिखाते दर्पण पर प्रकाश की किरण डालूंगा...
... तो वह परावर्तित होकर इसके पहले वाले दर्पण पर पड़ेगी और यहां से फिर ये किरण और पहले वाले दर्पण पर पड़ेगी...
... यानी इस पर! अब बस मुझको इस परावर्तित हो रही प्रकाश किरण का पीछा करते जाना है!
और मैं तस्वीर तक पहुंच जाऊंगा!
ये रही तस्वीर!

चंडिका थोड़ी सी देर से पहुंची थी-

ये... ये क्या? ये तो किसी किस्म का ऊर्जा द्वार लगता है! और इसके अंदर घुसकर कोई भाग रहा है! कुछ गड़बड़ है!

वह तस्वीर! वह तस्वीर इसी कमरे में तो थी!

पता नहीं! मैंने सिर्फ पट्टियों से बंधा एक पैर देखा था! उसमें सोने के जूते थे!

तूतेन खामेन! वह खुद आया था तस्वीर लेने के लिए!

आ... आई एम सॉरी भईया!

डोंट फील बैड श्वेता! मैं भी अपने पास वाली तस्वीर को नहीं बचा पाया था!

तुम्हारे पास भी कोई तस्वीर थी नागराज! पर इन तस्वीरों को चुराकर कोई क्या करेगा?

तस्वीर से जो काम होना था वह हो चुका था-
हा हा हा! क्लियोपैट्रा का महल अब पूरे स्वरूप में हमारे सामने है! अब करणवशी को दुनिया का सम्राट बनने से कोई भी नहीं रोक सकता!
मेरे साथ आओ तूतेन! और मुझको बताओ कि वह शक्ति इस महल में कहां पर रखी हुई है, जिसके सामने पूरी दुनिया घुटने टेकने पर मजबूर हो जाएगी! कहां पर है क्लियोपैट्रा का चमत्कारी राजदंड!
आप मेरे साथ आइए! मैं आपको रास्ता दिखाता हूं!
जल्दी ही करणवशी का सपना सच होकर उसकी आंखों के सामने था-
यही है! यही तो है वह राजदंड जिसको हाथ में लेते ही दुनिया मेरे सामने घुटने टेकने पर मजबूर हो जाएगी! हा हा हा!
अरे! ये... ये राजदंड तो मेरे हाथों में आने से इंकार कर रहा है!
सौदांगी के पास! पर क्यों?
अपने आप उड़कर कहीं और जा रहा है! पर कहां?
क्योंकि इस राजदंड का प्रयोग सिर्फ क्लियोपैट्रा या उसके द्वारा अधिकृत किसी प्राणी ही कर सकते हैं! और वह अधिकृत प्राणी मैं हूं, आप नहीं, करणवशी।

अरे वाह! तब तो मैंने अंजाने में अपनी किस्मत बना ली! तुमको सम्मोहित करके अपना गुलाम बना लिया! फिर भी सम्राट तो करणवशी ही बनेगा!
तू राजदंड के जरिए दुनिया पर हुक्म चलाएगी और तुझ पर हुक्म चलाएगा, करणवशी!
नागराज और ध्रुव दुनिया पर मंडराते खतरे के बादलों को साफ देख रहे थे-
स्टार हैलीकाप्टर हमको तीन घंटों के अंदर-अंदर करणवशी तक पहुंचा देगा, नागराज!
तब तक शायद बहुत देर हो चुकी होगी ध्रुव!
अभी न्यूज लगाकर देख लेते हैं! अगर कोई गड़बड़ हुई होगी तो अब तक मीडिया को पता लग गया होगा! 'अलजजीरा चैनेल' लगाकर देखता हूं!
क्या हुआ?
अरे! ये क्या?
सारी दुनिया के हर चैनेल पर एक ही मैसेज आ रहा है! एक महत्त्वपूर्ण सूचना के लिए इंतजार करें!
क्या है वह महत्त्वपूर्ण सूचना?
ये है!
सौडांगी!
मैं सौडांगी इस दुनिया के सभी देशों के शासनाध्यक्षों और नागरिकों को आदेश देती हूं कि वे मुझको इस दुनिया की साम्राज्ञी स्वीकार करें!
ये सौडांगी को क्या हो गया है?
अभी पता चल जाएगा! हम मिस्र की धरती तक पहुंच चुके हैं!
हमको सौडांगी को काबू करने में देर नहीं लगेगी!

नहीं! सम्राज्ञी सौडांगी का अहित सोचने वाला हमारा दुश्मन है। और वेदाचार्य दुश्मनों को कभी माफ नहीं करता!
आऽऽऽह! ये क्या कह रहे हैं वेदाचार्य! होश में आइए! मैं नागराज हूं, नागराज!
मैं तुमको पहचान रहा हूं नागराज! मेरी याददाश्त अभी सही-सलामत है!
पर सम्राज्ञी का अपमान उनके सेवकों का अपमान है! मेरा अपमान है!
वेदाचार्य को ये क्या हो गया है फेसलेस? इनको संभालो!
संभालना तो तुमको है ध्रुव! वेदाचार्य एकदम सही काम कर रहे हैं! जो सम्राज्ञी का अहित करने की सोचता वह बागी है! और बागियों की एक ही सजा है! सजाए मौत!
सौडांगी की कही बात सच हो रही है! राजदंड हाथ में आते ही पूरी दुनिया उसकी गुलाम बन रही है!
ऐसा है तो हम सौडांगी के गुलाम क्यों नहीं बन गए?
ओऽऽऽह! जिससे मदद की उम्मीद थी, वह भी सौडांगी का वफादार बन गया! ये हो क्या रहा है?
याद करो ध्रुव! जब महानगर में हुई मिस्त्री प्रदर्शनी में उन तस्वीरों का जिक्र हुआ था!
तो सौडांगी ने हमको वचन दिया था कि वह सम्राज्ञी बनने पर भी मुझ पर और तुम पर अपना हुक्म नहीं चलाएगी!
उसी वचन की शक्ति ने हमको सौडांगी के राजदंड की शक्ति से बचा रखा है!
शायद इसीलिए ताकि हम सौडांगी को बचा सकें! क्योंकि मुझे पूरा यकीन है करणवशी अपनी सम्मोहन शक्ति के जरिए सौडांगी से ये पाप करा रहा है!

पर सौडांगी को तो हम तब बचाएंगे जब हम खुद बचेंगे! इस तिलिस्मी शक्ति से बचने का सुझे तो कोई तरीका पता नहीं है!
डुबोया! वाह, तुमने मुझको आइडिया दे दिया है, नागराज!
जो भी... अहह... आइडिया है...उस पर अमल करो ध्रुव... अब जान निकलने में ज्यादा देर नहीं है!
मुसीबत दूर होने में भी... ज्यादा देर नहीं है, नागराज!
फेफड़ों में सांस भर लो नागराज!
पता तो मुझे भी नहीं है! मुझको तो तिलिस्मी शक्ति ने हमेशा बचाया है, डुबोया कभी नहीं!
ध्रुव का हाथ हैलीकॉप्टर के कंट्रोल को दबाता चला गया-
और हैलीकॉप्टर, पानी की सतह को चीरता हुआ, समुद्र में घुसता चला गया-
अब देखना यह है कि इनकी तिलिस्मी शक्ति इनको पानी में सांस ले सकने की शक्ति दे सकती है या नहीं!
तिलिस्मी शक्ति को इतनी जल्दी बदल पाना आसान काम नहीं था-
घुटती सांसें वेदाचार्य और फेसलेस के होशो-हवास छीनती चली गई-

कुछ ही देर बाद-
वेदाचार्य और फेसलेस का हम पर इस तरह से हमला करना आश्चर्य जनक था! अब तो सौडांगी तक जल्दी से जल्दी पहुंचना और भी जरूरी हो गया है!
अगर इन दोनों का यह हाल है तो पूरी दुनिया के प्राणियों पर क्या बीत रही होगी? राजदंड की शक्ति का असर पता लगाना बहुत जरूरी है!
मैं स्टार ट्रांसमीटर द्वारा करीम से संपर्क करता हूं! वह हमको पूरी दुनिया की जानकारी दे सकता है!
कुछ ही पलों बाद-
सॉरी कैप्टेन! हम तुमको कोई जानकारी नहीं दे सकते! सारे प्राइवेट सूचना माध्यमों पर बैन लगा दिया गया है! केन्द्र में सेना ने सत्ता संभाल ली है! अब कोई भी जानकारी तुमको सिर्फ तभी मिल सकती है जब विश्व सम्राज्ञी का आदेश होगा!
ये तुम क्या बक रहे हो करीम? मैं तुम्हारा कैप्टन हूं! कमांडो फोर्स का कैप्टेन सुपर कमांडो ध्रुव!
सॉरी कैप्टेन! अब हमारी वफादारी सम्राज्ञी के प्रति है!
ओवर एंड आऊट!
हद हो गई! मेरा ही कैडेट सौडांगी के गुण गा रहा है!
भारत में पहली बार सेना ने सत्ता संभाल ली है! हालात बहुत बुरे हैं नागराज!
मुझे 'स्टार ट्रांसमीटर' दो ध्रुव! मैं अमेरिका के 'सी.एन.एन.' के अपने दोस्त जोनाथन से बात करके हालात का जायजा लेता हूं!

जोनाथन इस वक्त सी·एन·एन· की टीम के साथ कहीं और था!
हैलो, कौन? हां, नागराज! जल्दी बोलो! मैं बहुत बिजी हूं!
किस काम में इतने बिजी हो दोस्त!
अरे! मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ मिस्र में हूं! कुछ ही देर में राष्ट्रपति अमेरिका की सत्ता और न्यूक्लियर हथियारों का कंट्रोल सम्राज्ञी सौडांगी के हाथों में सौंपने जा रहे हैं!
और इस काम में पूरी अमेरिकी जनता सौ प्रतिशत हमारे साथ है!
जल्दी बताओ कि तुमने फोन किसलिए किया है?
ऐसे ही जोनाथन! हाल-चाल पूछने के लिए किया था! ठीक है जोनाथन! बाद में बात करते हैं!
खतरा अब बहुत ज्यादा बढ़ गया है नागराज! अमेरिका तक ने घुटने टेक दिए हैं!
आओ! चलकर देखते हैं ध्रुव!
शायद ये खबर सही न हो!
लेकिन हम वहां तक पहुंचेंगे कैसे? करणवशी तो हमको देखते ही मार डालने की कोशिश करेगा!
हम सौडांगी के वफादार बन जाएंगे ध्रुव! सिर्फ हम या तुम ही जानते हैं कि सौडांगी के राजदंड का असर हम पर नहीं हुआ है! यह बात और कोई नहीं जानता!
फिर हम करणवशी के जाल से सौडांगी को कैसे मुक्त कराएंगे?
सही कहा नागराज! चलो!
जय सम्राज्ञी सौडांगी की!

खबर सही थी-

सम्राज्ञी सौडांगी! मैं अमेरिका का राष्ट्रपति अपने देश की जनता की तरफ से अमेरिका का शासन और उसके सारे हथियार आपके सुपुर्द करता हूं!

स्वीकार करो सौडांगी!

करणवशी के हाथों में अब पूरी दुनिया को कई बार नष्ट कर सकने लायक शक्ति है! पर एक बात समझ में नहीं आई नागराज! सौडांगी के राजदंड ने करणवशी को अपना गुलाम क्यों नहीं बनाया?

करणवशी के वशीकरण जाल में जो एक बार फंस जाता है फिर वह किसी भी शक्ति का प्रयोग करके करणवशी को वश में नहीं कर सकता!

इसके अलावा और कोई रास्ता भी नहीं है ध्रुव!

आओ! सौडांगी का जयकारा लगाते हुए हम सौडांगी के पास आराम से पहुंच जाएंगे!

फिर तो एक ही रास्ता है! सौडांगी के पास चलना होगा! तुम उसके दिमाग पर छाए वशीकरण को दूर करने की कोशिश करना!

और मैं उसके हाथ से राजदंड को छीनने की कोशिश करूंगा!

सम्राज्ञी की जय हो! सौडांगी की जय हो!

नागराज और ध्रुव भी! अरे, वाह! ये तो मेरी दुनिया को जीतने से भी बड़ी जीत है!

आखिर राजदंड की शक्ति के सामने इनको भी घुटने टेकने पड़े!

आने दो!

कहो! क्या चाहते हो नागराज?
सम्राज्ञी का आदेश चाहते हैं! अब तो ये ही बताएंगी कि हमको क्या करना है!
हमको तो बस, सम्राज्ञी सौडांगी की सेवा में अपना जीवन बिताना है!
ध्रुव, राजदंड छीनने के लिए मौके की तलाश में था-
और वह मौका नागराज उसको देने ही वाला था-
आज तक मुझे दिशा दिखाने वाला कोई नहीं था, सम्राज्ञी...
... मैं बात करने के साथ-साथ अपने सम्मोहन के जरिए सौडांगी के दिमाग में पहुंच रहा हूं! और करणवशी के वशीकरण को धीरे-धीरे तोड़ रहा हूं!
लेकिन अब आप मुझको मिल गई हैं। अब जैसा आप कहेंगी मैं वैसा ही करूंगा।
मेरा सम्मोहन असर कर रहा है! सौडांगी का दिमाग धीरे-धीरे इसके वश में आता जा रहा है!
नागराज, सफलता से चंद पलों की दूरी पर ही था-
लेकिन-
सौडांगी! सम्राज्ञी सौडांगी! दूर रहिए इससे!
नागराज और ध्रुव गद्दार हैं! ये आपको मारने की कोशिश कर रहे हैं!
ये अभी तक आपके स्वामिभक्त नहीं बने हैं!
वेदाचार्य!
ये झूठ नहीं बोल सकता!

यानी किसी अंजान कारण से नागराज और ध्रुव पर राजदंड का जादू नहीं चल सका है! ये मेरा सारा खेल बिगाड़ सकते हैं! इनको तो मरना ही होगा!
सौडांगी! इन दोनों को खत्म करने का आदेश दो!
खत्म कर दो नागराज और ध्रुव को!
मौके पर मौजूद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के जवानों के अत्याधुनिक हथियार गरज उठे-
इतना आसान नहीं है नागराज को मार पाना!
और हथियारों को नागराज के सर्प उड़ा ले गए-
गोलियों की बौछार को नागराज का शरीर झेल गया-

रही सही कसर ध्रुव ने पूरी कर दी-
हमको यहां से निकलना होगा नागराज!
हमको योजना बनाने के लिए समय चाहिए!
इसका भी हल है मेरे पास!
बात तो ठीक है ध्रुव! पर हम चारों तरफ से घिरे हुए हैं! जहां भी जाएंगे, ये हमारा पीछा करेंगे!
स्टारलाइन ने छत पर पड़ी 'कनात' को नागराज और ध्रुव के ऊपर ला गिराया-
अब ये बच नहीं सकते!
गोलियों की बौछार ने कनात को जाली में बदल डाला-
आहा! ये दोनों अपने ही जाल में फंस गए हैं!
पर यहां तो कोई है ही नहीं!
अब इन दोनों की लाशें लेकर मेरे पास आओ!
असंभव! ये कैसा जादू है!
उन दोनों को आसमान निगल गया या जमीन खा गई!

उनको जमीन निगल गई थी-
गुड आइडिया ध्रुव! ऐसे जमीन के नीचे से जाने पर किसी को भी ये अनुमान नहीं लग पाएगा कि हम किस दिशा में गए हैं!
वे तो ये अनुमान भी मुश्किल से ही लगा पाएंगे कि हम जमीन में सुरंग खोदकर भागे हैं, क्योंकि तुम्हारे सर्पों ने सुरंग के मुंह को फिर से मिट्टी भरकर समतल कर दिया था।
अब फिलहाल हमको कोई भी कुछ देर के लिए परेशान नहीं करेगा! बताओ, हम दुनिया को करणवशी के हाथों से कैसे बचा सकते हैं?
दो ही तरीके हैं! या तो सौडांगी के हाथ से राजदंड को छीना जाए और या फिर सौडांगी को करणवशी के सम्मोहन से मुक्त कराया जाए!
पर इन दोनों में से एक भी काम कैसे किया जा सकता है इसके बारे में मुझे कोई आइडिया नहीं है!
और कुछ ही पलों के बाद-
अरे! तुमको ये... ये क्या हो रहा है, नागराज?
करणवशी खतरे को भांप रहा था-
नागराज और ध्रुव मुझपर दूसरा वार भी जल्दी ही करेंगे! उससे पहले ही मुझको उन्हें बेबस करना होगा! और यह काम करने का तरीका मुझे पता है!
सौडांगी!
एकाएक मेरा शरीर मेरे वश में नहीं रहा है ध्रुव! लगता है जैसे कि मेरे शरीर के सर्पों ने मेरे शरीर का कंट्रोल ले लिया है!
ये जरूर सौडांगी के राजदंड का असर है! अब तुम्हारे सर्प भी उसकी बात मानने के लिए मजबूर हैं!

ये काम उन सर्पों का नहीं है ध्रुव, जो मेरे शरीर में पैदा होते हैं! वे मेरे शरीर का ही एक हिस्सा हैं, और सौडांगी के वचन के कारण राजदंड का असर उन पर नहीं हो सकता।
ये काम उन इच्छाधारी सर्पों का है जो मेरे शरीर से पैदा तो नहीं हुए, लेकिन मेरे शरीर में ही वास करते हैं! और चूंकि वे राजदंड के वश में हैं इसलिए मैं उनको शरीर से बाहर निकालने का खतरा मोल नहीं ले सकता!
यानी तुम अपने ही हाथों से पिटने के लिए मजबूर हो! अब अगर तुमको बचना है तो तुमको करणवशी की शरण में जाना ही पड़ेगा!
उसका मौका शायद न मिले, ध्रुव! क्योंकि ये सर्प मेरी गर्दन और मेरी हड्डियों को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं!
तभी-
ओह! तुम्हारे वारों ने दीवार में एक बड़ा छेद कर दिया है, और उससे होकर पानी तेजी से अंदर आ रहा है! यानी हम सुरंग खोदते-खोदते समुद्र तक आ गए हैं!
अब तो समुद्र में जाना ही पड़ेगा, क्योंकि वापस जाने का कोई रास्ता नहीं है!
पानी में पहुंचते ही ध्रुव और नागराज के हाथ तेजी से चलने शुरू हो गए-
वे दोनों अब 'गूंगे-बहरों' की भाषा का प्रयोग कर रहे थे-
ये तो बुराई के रूप में भलाई मिल गई! अब तुम उन सांपों को आराम से शरीर से बाहर निकाल सकते हो जो तुमको परेशान कर रहे हैं!
सही कहा ध्रुव! उनमें से कोई भी सांप पानी में सांस नहीं ले सकता!

नागराज के शरीर से इच्छाधारी सर्पों की बाढ़ सी निकलकर पानी में अपने होश खोने लगी-
ये क्या कर रहे हो नागराज? ये तो पानी में वैसे ही बेहोश हो जाएंगे। फिर इनको घूंसा मारकर बेहोश करने की क्या जरूरत है?
पर इस वक्त मेरा सतह पर जाना खतरनाक हो सकता है! सेना के सैकड़ों हैलीकॉप्टर इस वक्त हमारी तलाश में इस इलाके का चप्पा-चप्पा छान रहे होंगे!
हैलीकॉप्टर! कुछ देर तक और सांस रोके रहो नागराज! मैं अभी आया!
मैं इन पर वार करके इनको सतह पर भेज रहा हूं! ताकि पानी के अंदर ये बेहोशी की अवस्था में दम घुटकर न मर जाएं!
लेकिन अब मेरी भी इनके जैसा ही हाल हो रहा है! पानी के अंदर मेरा दम भी घुट रहा है! मैं तुम्हारी तरह पानी में सांस नहीं ले सकता!
कोशिश... जरूर करूंगा... ध्रुव!
गारंटी नहीं... दे सकता!
अब बताओ! आगे क्या...
...आऽऽऽह!
लेकिन ध्रुव वादे के मुताबिक एक मिनट से ही पहले वापस आ गया-
और उसके पास नागराज के दम घुटने का इलाज भी था-
कमाल है ध्रुव! तुमने गजब का आइडिया लगाया! लेकिन हवा से भरा यह टायर समुद्र में आया कहां से?
आराम से सांस लो, नागराज! अपना ही माल है ये! हैलीकॉप्टर नाम से मुझे याद आ गया कि अपना स्टार-हैलीकॉप्टर इसी इलाके में गिरा था! बस जाकर उसी के टायर निकाल लाया!
उम्म्ममम्फ!

माफ करना ध्रुव और नागराज! लेकिन ये पता चलने के बाद कि तुमलोग सम्राज्ञी सौडांगी की खिलाफत कर रहे हो, मुझे तुमसे अपनी मित्रता तोड़ने पर मजबूर होना पड़ा!
समुद्र तल पर बसी देवों की नगरी स्वर्ण नगरी का योद्धा धनंजय!
ये तुम क्या कह रहे हो धनंजय? तुम तो देवजाति के हो! तुम राजदंड का आदेश भला कैसे मान सकते हो?
अब सौडांगी ही हमारी सम्राज्ञी है! पर बुरा हो हमारे कानूनों का जो मानवों के साथ घुलने-मिलने पर प्रतिबंध लगाते हैं!
अब जब तक मैं तुम दोनों को सम्राज्ञी तक पहुंचाने का रास्ता तलाश न कर लूं तब तक तुम दोनों मेरे कैदी बनकर रहोगे!...
...स्वर्णनगरी में-
ये स्वर्णनगरी का सबसे सुरक्षित कक्ष है! ये हमारा 'संगणक कक्ष' है! तुम इसको कंप्यूटर रूम भी कह सकते हो! इसमें इस ग्रह पर अब तक मौजूद सारी जानकारियां भरी हुई हैं। हमारी भी और मानवों की भी! इसीलिए इस कक्ष के आसपास इतनी जबरदस्त सुरक्षा है कि न तो यहां पर कोई अपनी मर्जी से आ सकता है, न जा सकता है!
किस्मत एक बार फिर हमारा साथ दे रही है नागराज...

अब तक हमारे पास योजना बनाने लायक कोई जानकारी नहीं थी! लेकिन इस कंप्यूटर में अगर सारी जानकारियां भरी हैं तो हमको क्लियोपैट्रा के राजदंड की शक्ति नष्ट करने के बारे में भी जानकारी मिल सकती है!
बस एक समस्या है ध्रुव! वह यह कि इस कंप्यूटर को चलाना या जानकारी हासिल करना न तो तुमको आता है और न मुझे!
बस! इसी समस्या को हमें सुलझाना है! वैसे इस समस्या का हल मैं तुम्हारी आंखों में साफ देख रहा हूं, नागराज!
मेरी आंखों में? वह कैसे?
एक मिनट...
नागराज और ध्रुव को जो भी करना था वह जल्दी करना था! उनके पास वक्त नहीं था-
मैं सम्राज्ञी सौडांगी एक नया आदेश देने जा रही हूं! अब से करणवशी की आज्ञा को मेरी आज्ञा समझा जाएगा!
करणवशी की आज्ञा सम्राज्ञी सौडांगी की आज्ञा होगी!
अब करणवशी दुनिया की सत्ता को अपने हाथों में ले रहा है! अपनी योजना बताओ ध्रुव! जल्दी!
करणवशी वाकई दुनिया पर कहर ढाने वाला था-
पूरी दुनिया अब मेरे कब्जे में है! सभी मेरे गुलाम हैं! मैं तो बोर हो गया! अब करूं भी तो क्या? दिल तो बहलाना ही है!
पुराने रोमन शासक स्टेडियम में ग्लेडियटरों की कुश्ती देखते थे! मैं दो देशों की सेनाओं के बीच का युद्ध देखूंगा!
लड़ाई शुरू करो!

मानव इतिहास में पहली बार एक ऐसा युद्ध लड़ा जा रहा था जिसमें दोनों सेनाओं की स्वामिभक्ति एक ही शासक के प्रति थी-
बिना किसी कारण के बेगुनाहों का खून बह रहा था-
और खुशी के मारे करणवशी का खून बढ़ रहा था-
हा हा हा! इतना मज़ा तो रोमन, मुगल और अंग्रेज महाराजाओं ने मिलकर भी नहीं किया होगा!
लड़ो! और लड़ो!
इस लड़ाई को सिर्फ भगवान ही रोक सकता था-
सर!
सर तेरा सिर! सम्राट बोल! सम्राट!
क्या! सचमुच! युद्ध रुकवा दो! और तुरन्त क्लियोपैट्रा के... मेरा मतलब मेरे महल की तरफ चलो!
सूचना भेज दो कि नागराज को वहीं पर लाया जाए!
सॉरी, सम्राट! अच्छी खबर है! नागराज को आपके वफादारों ने पकड़ लिया है!
और जल्दी ही-
इसका दूसरा साथी कहाँ है?
उसके पास पानी में सांस ले सकने की शक्ति है! इस कारण वह, यहां पर लाते समय हमारे हाथों से भाग निकला!
पर वह भी जल्दी ही पकड़ा जाएगा!
शाबाश! पर तुम लोग, कौन हो?

हम आपके सेवक हैं सम्राट! पर हमको अपनी पहचान गुप्त रखने दीजिए! हमारे कानून हमको अपनी पहचान जाहिर करने की इजाजत नहीं देते!
अब तुम सम्राट करणवशी के सेवक हो! अब तुम्हारा अपना कोई कानून नहीं है! तुम्हारे सारे कानून अब करणवशी के आदेश हैं! अपने चेहरे दिखाओ!
जो आज्ञा सम्राट!
देखिए मेरा चेहरा!
मेरा भी!
मेरा भी!
और मेरा भी!
ये... ये तो सभी नागराज हैं! इनमें से असली नागराज कौन है?
अब ये सभी अलग-अलग दिशाओं में भाग रहे हैं! पकड़ो इनको! इनमें से जरूर एक असली नागराज है! और वह इन हमशक्ल नागराजों से गड़बड़ी फैलाकर अपना कोई काम साधना चाहता है!
इन सबको पकड़ो! पीछा करो इनका!
करणवशी बिल्कुल सही सोच रहा था-
नागराज और ध्रुव इसी मौके की तलाश में थे-
महल के दरवाजे पर लगी सिक्योरिटी भी क्लोन नागराजों को पकड़ने के लिए भाग गई है!
यही मौका है नागराज हम महल में घुसते हैं! तुम अपने काम पर चले जाओ और मैं अपने काम पर चला जाता हूं!
तुम्हारा आइडिया काम आ गया ध्रुव! धनंजय को सम्मोहित करके मैंने इससे कंप्यूटर में भरी जानकारी भी निकलवा ली!
इसकी उन्नत तकनीक की मदद से क्लोन भी बनवा लिए और करणवशी के षड्यंत्र को नष्ट करने की योजना बना ली!
सीधा सा आइडिया था नागराज! अगर करणवशी वशीकरण का सहारा लेकर हमारी दोस्त सौडांगी को अपना गुलाम बना सकता है!
तो हम भी सम्मोहन की मदद से राजदंड के गुलाम धनंजय को अपना गुलाम बना सकते हैं!
पर जरा संभलकर ध्रुव!
महल में न जाने कौन से खतरे मौजूद हों!

नागराज और ध्रुव की योजना दो तरफ से वार करने की थी-
जाओ मेरे जासूस सर्पों! और इस महल में मौजूद उस गुप्त मकबरे की तलाश करो जहां पर अभी भी क्लियोपैट्रा का शव फिर से जी उठने के इंतजार में पड़ा है!
सिर्फ वही सौडांगी से राजदंड छीनकर करणवशी की योजना को खत्म कर सकती है!
वह सौडांगी की मां के सर्पदंश से मरी थी! मैं वह जहर चूसकर क्लियोपैट्रा को फिर से जिन्दा कर सकता हूं!
... और क्लियोपैट्रा के शवगृह का रक्षक स्फिंक्स ऐसा कभी नहीं होने देगा!
क्लियोपैट्रा अपने आप ही उठेगी और तभी उठेगी जब उसके ऊपर चढ़ी देवी आइरिस के शाप की अवधि खत्म हो जाएगी!
तब तक रानी क्लियोपैट्रा का काम सौडांगी के जरिए उसका राजदंड करेगा!
पूरी दुनिया पर शासन करने का काम!
लेकिन अगर क्लियोपैट्रा तेरी दया से जी उठी तो वह तेरे आदेश की गुलाम बन जाएगी! ...
ये स्फिंक्स तो बहुत खतरनाक प्राणी है!
मैंने सुन रखा है कि इसको अगर जलाकर राख भी कर दो तो ये अपनी राख में से ही फिर से जी उठता है!

आssssह! इसके नाखून तो तलवार की तरह लंबे भी हो जाते हैं!

और ये मुझको कागज की शीट की तरह फाड़ सकते हैं! बल्कि यूं कहूं कि फाड़ रहे हैं!

अब और कोई चारा नहीं है!

मुझे अपना जहर इसकी रगों में पहुंचाना ही होगा!

नागराज के विषदंश का हर जीवित प्राणी पर एक ही असर होता है-

खचच्च
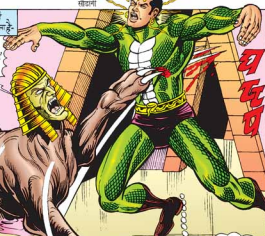
लेकिन स्फिंक्स जैसा प्राणी गलकर फिर से खड़ा हो जाता है-
मैंने कहा न कि तू मुझे मार नहीं सकता! मैं स्फिंक्स हूं, स्फिंक्स!
घच्च
आऽऽऽह! एक जासूस सर्प के मानसिक संकेत मुझको मिल रहे हैं! उसने क्लियोपैट्रा का शवगृह ढूंढ लिया है!
लेकिन लगता है कि मैं भी वहां पर लाश के रूप में ही पहुंच पाऊंगा!
ध्रुव के सामने अभी तक ऐसी कोई मुसीबत नहीं आई थी-
आई एम सॉरी धनंजय! कि मुझे तुमको हिप्नोटाइज करवा के अपनी मदद करने के लिए मजबूर करना पड़ रहा है!
पर इस महल में रहस्यमय शक्तियां हैं और मेरे पास उनसे निपटने के लिए नागराज जैसी शक्तियां नहीं हैं! इसलिए हो सकता है कि मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत पड़े!
वैसे अगर तुम्हारे कंप्यूटर यानी संगणक की सूचना सही है तो महल के इसी हिस्से में वैसे ही कुछ और चमत्कारी कैनवास रखे हैं जिन पर क्लियोपैट्रा के महल को तस्वीर के रूप में उतार लिया गया था!
नागराज का काम क्लियोपैट्रा के जरिए राजदंड हासिल करना है और मेरा काम है चमत्कारी कैनवासों को ढूंढकर उन पर इस महल को फिर से तस्वीर के रूप में उतार लेने का!

Amaan
राज कॉमिक्स
हम दोनों में से कोई एक भी सफल हो गया तो करणवशी का आतंक समाप्त होने में देर नहीं लगेगी!
अरे! यह तो वही कक्ष लगता है जिसकी हमको तलाश थी! ये ठीक उसी जगह पर है जिस जगह पर इसके होने की जानकारी तुम्हारे 'संगणक' ने दी थी!
तू पेपिरस के छाल पत्रों को ढूंढकर भी क्या कर लेगा! पेपिरस पर चित्र बनाना हर किसी के बस की बात नहीं है!
पेपिरस पर चित्र अगर कोई उतार सकता है...
यह कमरा 'पेपिरस' से भरा हुआ है! और हर पेपिरस पर कोई न कोई तस्वीर बनी हुई है। प्राचीन मिस्री कागज की जगह 'पेपिरस' का ही प्रयोग करते थे! और अब मुझे याद आ रहा है कि जो तस्वीर सौडांगी ने मुझे दी थी वह भी एक मोटे 'पेपिरस' पर ही बनी थी!
अब मुझको बस वैसे ही दो 'पेपिरस' ढूंढने हैं, जिन पर महल की तस्वीर आगे और पीछे से उतारी जा सके!
... तो सिर्फ कुचा! और कुचा इस कक्ष में बिना निमंत्रण आने वाले हर प्राणी को तस्वीर में उतार लेता है!
ओह! मुझे पता होना चाहिए था कि पेपिरसों को पाना इतना आसान नहीं होगा!
पेपिरस : PAPYRUS= पेड़ की छाल से बना ताड़पत्र।
66

पर ये कृपा कर सकता है? हम पर रंग फेंककर हमसे होली खेलेगा या फिर हमको ब्रश घोंपकर हमें मारेगा!
ये तो मुझे भी नहीं पता, ध्रुव! हमारे संगणक में भी इसका जिक्र नहीं है! इसकी शक्तियों के विषय में हमें कुछ नहीं पता!
पर... अरे! मेरे हाथ का रंग गायब कैसे हो रहा है? ये... ये तो ब्लैक एंड व्हाइट में बदलता जा रहा है!
वह रंग इसके 'पेपिरस-कैनवास' पर उभरता जा रहा है ध्रुव!
यानी ये तुमको तस्वीर के रूप में कैनवास पर खींच रहा है! जल्दी ही तुम एक तस्वीर बनकर रह जाओगे!
सही समझा तू स्वर्णमानव! जैसे मैंने क्लियोपैट्रा के आदेश पर उसके इस महल को तस्वीर बना दिया था, वैसे ही अब तुझे भी तस्वीर बना दूंगा!
ओह! पता नहीं चल रहा है कि ये इस कला को कैसे कर पा रहा है!
इसको रोको, धनंजय!
अभी लो ध्रुव!
वैसे तो मैं इस महल को फिर से तस्वीर में बदल सकता हूं। पर अब उसकी कोई जरूरत नहीं है; क्योंकि क्लियोपैट्रा पर खास देवी आइसिस के श्राप की अवधि अब समाप्त होने ही वाली है!
वैसे भी अब रानी क्लियोपैट्रा को महल की ही जरूरत पड़ने वाली है, तस्वीर की नहीं!
धनंजय का स्वर्णपाश कूचा की तरफ लपका-

लेकिन अगले ही पल, स्वर्णपाश धनंजय के हाथ से गायब होकर-
पेपिरस पर जा छपा-
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! ये हो कैसे रहा है?
खैर, ये सोचने का समय नहीं है धनंजय! कुचा को द्वार बनाकर इसे दुनिया के किसी सुनसान कोने में भेज दो!
अभी लो ध्रुव!
धनंजय ने द्वार बनाना तो शुरू कर दिया-
लेकिन वह द्वार बनना खत्म नहीं हो पाया-
क्योंकि स्वर्णपाश के साथ-साथ अब धनंजय भी तस्वीर का हिस्सा बन चुका था-
ये... ये क्या हो गया? जिसकी चमत्कारी शक्ति का सहारा था वह तो खुद एक चमत्कारी शक्ति का शिकार बन गया।
अब तेरा भी यही हाल होगा!
क्योंकि अब तू मेरी इस तस्वीर से लड़ता रह जाएगा! और मैं तेरी तस्वीर उतार लूंगा।
ओह! छेदों के अंदर से आती सूर्य की किरण तस्वीर पर पड़ते ही यह योद्धा तस्वीर से जीवित होकर बाहर आ गया।
और मेरे शरीर का पूरा रंग धीरे-धीरे गायब हो रहा है! अब मैं इससे लड़ूं या अपने को तस्वीर बनने से बचाऊं?
मैं चाहूं तो तुझे एक पल में तस्वीर बना दूं! पर मैं तेरी तस्वीर को जरा संभाल संभाल कर बनाना चाहता हूं!
ताकि तू अपने आपको धीरे-धीरे खत्म होता हुआ देख सके!
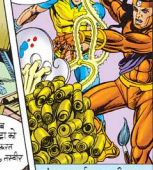
नागराज भी अपने अभियान के बीच में ही रुका हुआ था-
हार मान ले नाग मानव, और पीछे लौट जा! यह तेरे लिए आखिरी चेतावनी है! तुझमें अद्भुत शक्तियां तो हैं लेकिन स्फिंक्स से जीत सकने लायक शक्ति नहीं है!
नागराज कदम आगे बढ़ाकर पीछे कभी नहीं रखता!
ऐसा है तो मैं तुझको कदम हिलाने लायक ही नहीं छोड़ूंगा! पत्थर की मूर्ति में बदल दूंगा तुझको!
इस पर वार करके इसको यह अद्भुत किरण छोड़ने से रोकना होगा!
नागराज ने वार तो किया-
पर निशाना चूक गया-
लेकिन फिर भी स्फिंक्स कराह उठा-
और उसकी किरण भी लुप्त हो गई-
मेरा वार तो... ओह! मेरा वार तो इस मूर्ति पर लगा है जो शेर के सिर वाला इंसान है! अब समझा! ये मूर्ति स्फिंक्स का आधा रूप है। ये मूर्ति स्फिंक्स का असली शरीर है जिस पर शेर का सिर लगा है!
आऽऽऽह!
इसके हाथ से निकलती किरण ने मेरे पैरों को पत्थर में बदल दिया है! और अब मेरा पूरा शरीर पत्थर का बनता जा रहा है!
ये कैसा चमत्कार है! निशाना कहीं और लगा...
...पर ये कराह उठा! मेरा शरीर भी सामान्य हो रहा है!
जब तक ये मूर्ति सुरक्षित है तब तक स्फिंक्स भी अमर है!
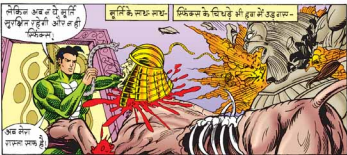
लेकिन अगर इस मूर्ति को तोड़ दिया जाए तो स्फिंक्स भी खत्म हो जाएगा!
खैर यह तो अभी पता चल जाएगा!
मूर्ति का हाथ हवा में उछलते ही-
स्फिंक्स का भी हाथ हवा में उड़ गया-
ये मारा! स्फिंक्स इसीलिए अमर था क्योंकि उसका आधा शरीर मूर्ति के रूप में सुरक्षित था!
लेकिन अब न ये मूर्ति सुरक्षित रहेगी और न ही स्फिंक्स!
मूर्ति के साथ-साथ-
स्फिंक्स के चिथड़े भी हवा में उड़ गए-
अब मेरा रास्ता साफ है!
क्लियोपेट्रा के सुरक्षित रखे शव तक पहुंचने के लिए!
इसको अगर मैं जीवनदान दूंगा तो ये मेरे आदेश की गुलाम बन जाएगी! और दुनिया को इससे कोई खतरा नहीं होगा!
नागराज क्लियोपेट्रा को उठाने की कोशिश कर रहा था-
यह विष के कारण सुप्त है! अगर मैं इसके शरीर से विष खींच लूंगा तो ये फिर से जी उठेगी!

और कुचा ध्रुव को गिराने की-
मेरा शरीर तेजी से अपना रंग खोता जा रहा है! जल्दी ही मैं अपने अंग भी खोना शुरू कर दूंगा, और आखिरकार एक तस्वीर बनकर रह जाऊंगा!
ओह! ये क्या? इसका ब्रश चमक रहा है और इसका प्रकाश मुझ पर पड़ रहा है। कहीं यही प्रकाश तो मुझे तस्वीर में नहीं बदल रहा है!
ये ब्रश इसके हाथ से गिराना होगा! मैं तो शायद इसके पास न पहुंच पाऊं!
लेकिन ये योद्धा इसके पास तक जरूर पहुंच सकता है!
ये ध्रुव की कुशल कलाबाजी का ही कमाल था-
कि उस पर होने वाले वार कुचा पर पड़ रहे थे-
वाह! मेरा रंग उड़ना रुक गया है!
यानी येकमाल इसके ब्रश का ही था!
तू मुझे काट नहीं सकता लड़के! मेरे हाथ फिर से जुड़ जाएंगे!
तब तक मेरे पास थोड़ा सा समय है! सौडांगी ने बताया था महल की तस्वीरों को सूर्य की किरणें जिन्दा कर सकती हैं। इस योद्धा को भी सूर्य किरण द्वारा ही जिन्दा किया गया था। यानी मैं धनंजय को भी सूर्य किरणों से जीवित कर सकता हूं!
सूर्य किरणों ने सचमुच धनंजय को फिर से सामान्य बना दिया-
धनंजय, तुम इस योद्धा से निपटो! कुचा को मैं देखता हूं!

कुचा के हाथ वापस जुड़ सकने से पहले ध्रुव उस तक पहुंच चुका था-
अब तेरे दोनों हाथ मेरे कब्जे में हैं! और तू बचने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता कुचा!
ध्रुव को यह आभास था कि इस लड़ाई को जीतना आसान नहीं होगा-
लेकिन यह लड़ाई उसकी उम्मीद से ज्यादा आसान निकली-
अरे! यह...कुचा कहां गया?
वह तस्वीर बन गया है, पर कैसे? मैंने तो उसको दूसरी तरफ फेंका था!
ओह, समझा!
यह ब्रश फ्लैश लाइट का काम करता है, यह पारदर्शी कलर बोर्ड लेंस का और यह पेपिरस कैनवास फोटो फिल्म का!
अच्छा हुआ कि मुझको कुचा से लड़ाई लड़ने से यह जानकारी मिल गई, वर्ना पेपिरस कैनवास मिलने के बाद भी मैं कुछ न कर पाता।
अब जब तक धनंजय इस योद्धा को ठिकाने लगाता है...
...तब तक मैं पेपिरस कैनवासों को ढूंढ लेता हूं!
ध्रुव को मंजिल मिलने वाली थी-

लेकिन नागराज को मंजिल मिल चुकी थी-
हमने सारे नागराजों को मार गिराया! पर सभी नागराज नकली निकले!
ओह! तो असली नागराज जरूर महल के अंदर गया होगा!
पर अगर ऐसा है तो वह जिन्दा बाहर नहीं आएगा!
मैं यहां पर हूं, करणवशी!
नागराज! और... और इसके साथ कौन है? ये तो क्लियोपैट्रा लग रही है!
ये रानी क्लियोपैट्रा ही है! क्योंकि इनके सामने आते ही राजदंड अपने आप मेरे हाथों से छूटकर...
... इनके पास जा रहा है!
क्लियोपैट्रा फिर से जीवित हो उठी है! और अब दुनिया की रानी बन चुकी है!
नहीं! इस राजदंड को तोड़ दो क्लियोपैट्रा!
अब इस दुनिया पर जनता का राज है! तानाशाहों और राजाओं का नहीं! मेरा आदेश मानो!
क्योंकि मेरे द्वारा जीवन दान दिए जाने के कारण तुम मेरा आदेश मानने के लिए बाध्य हो!
आsssह! ये क्या?
क्लियोपैट्रा अब किसी की गुलाम नहीं है। क्योंकि इस पल से क्लियोपैट्रा के ऊपर छाए देवी आइसिस के शाप की अवधि समाप्त हो चुकी है!

ओह! ये क्या हो गया? शाप की अवधि को भी इसी वक्त समाप्त होना था! अब तो मैंने दुनिया के सामने सौडांगी और कणवशी से भी बड़ा खतरा पैदा कर दिया है!
मुझे इसको रोकना ही होगा! वह जहर इसके शरीर में वापस पहुंचाना होगा, जिसने इसको अब तक मृत कर रखा था!
नागराज का शरीर इच्छाधारी कणों में बदलकर —
क्लियोपैट्रा के ठीक पीछे जा पहुंचा—
अरे! वह हरा नागमानव कहां गया?
मैं यहीं पर हूं क्लियोपैट्रा!
जो तुमसे लिया था वह वापस करने आया हूं!
समझी! पर ये विष अब मुझ पर असर नहीं करेगा!
देवी आइरिस का शाप खत्म हो जाने के बाद मेरा शरीर ये मामूली विष तो क्या विष का पूरा सागर अपने अंदर समेट सकता है!
पर एक बात समझ में नहीं आई! तू राजदंड के असर से अब तक बचा कैसे हुआ है! शायद राजदंड की तरफ से किसी ने तुझे अभयदान दे रखा है!
पर अब क्लियोपैट्रा तुझे अपना गुलाम बनने का हुक्म देती है! अब से तू मेरा गुलाम है!
और तेरा एकमात्र काम मेरी रक्षा करना है!
ध्रुव भी अब तक बाहर आ चुका था-
कुचा ने सही कहा था! क्लियोपैट्रा पर से शाप का असर हट गया है! और उसने नागराज को भी गुलाम बना लिया है! अब एक ही रास्ता है! महल को फिर से तस्वीर में बदलने का!
और थोड़ी ही देर में—
महल का अगला हिस्सा गायब हो रहा है! पर कैसे?

ये काम उस लड़के का है! लगता है इसको भी नागमानव की तरह अभयदान मिला हुआ है! इसके हाथों में कूचा की कूची और रंगपट्ट है! उसको नष्ट कर दो फिर ये कुछ नहीं कर पाएगा!

उसके बाद इसको मेरे पास लाओ ताकि मैं इसको तुम्हारी तरह गुलाम बना सकूं नागमानव!

इसके लिए तो मैं अकेला ही काफी हूं स्वामिनी!

ओफ़! महल का पिछला हिस्सा अभी तस्वीर में बदलना बाकी है!

अगर यहां कहीं पर एक लेंस भी मिल जाता तो मैं महल की छाया कैनवास पर बना लेता!

बगैर लेंस के तो छाया का पेपिरस कैनवास पर उतर पाना नामुमकिन है!

या शायद नहीं है!

यह डिब्बा! जिसमें मैं सारा सामान भरकर यहां तक लाया था! अगर मैं इसमें स्टार ब्लेड से एक छेद कर दूं तो...

... यह पिन-होल कैमरे का काम करेगा! बच्चों द्वारा बनाया जाने वाला वह 'कैमरा' जिसमें एक छेद दृश्य की स्पष्ट तस्वीर स्क्रीन पर उतार लेता है!

कैनवास के डिब्बे के पीछे रखते ही महल की छाया कैनवास पर उतर आई-

और महल का पिछला हिस्सा भी गायब होने लगा-

ये... ये क्या? ये नहीं हो सकता!

अब मैं अपनी सारी शक्तियों के साथ फिर से इस तस्वीर में खिंच जाऊंगी।
महल और क्लियोपैट्रा के गायब होते ही-
सब कुछ सामान्य हो गया-
मुझे कुछ नहीं पता मिस्टर प्रेसीडेंट!
अरे! हम यहां पर क्या कर रहे हैं?
मुझे करणवशी के सम्मोहन से आजाद कराने के लिए शुक्रिया नागराज!
इन तस्वीरों को नष्ट करना तो संभव नहीं है! लेकिन मैं इनको एक ऐसे गुप्त स्थान पर दफन कर दूंगी जहां से इनको ला पाना असंभव होगा!
एक खुले ज्वालामुखी के मुंह के रास्ते से इनको लावे में दफन कर दूंगी!
मुझे सपने में भी उम्मीद नहीं थी कि पूरी दुनिया का शासक बनने के बाद भी मैं तुम दोनों से मात खा जाऊंगा!
तुमने इस अभियान की शुरुआत भिखारी के रूप में की थी न करणवशी! अब मैं अपने सम्मोहन द्वारा तुमको भिखारी बना दूंगा!
जा, करणवशी! उम्रभर के लिए भीख मांगकर गुजारा कर!
और फिर- नागराज के शक्तिशाली सम्मोहन ने अपना कमाल दिखाया-
ए माई! कुछ पैसे दे न! बाबा दो दिनों से भूखा है!
आगे बढ़, बाबा! हमारे पास छुट्टा नहीं है!
समाप्त